

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

वर्ष :16 | अंक: 39| पेज: 12| mahanagarmetro7@gmail.com

|| अहमदाबाद, 5 अक्टूबर 2026 (सोमवार) ||

सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महानगर मेट्रो ब्यूरो

स्माइली बॉल बच्ची को लगी तो 9 साल के बच्चे को बेरहमी से पीटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। शहर की अलथाण सोसायटी में छोटी सी बात को लेकर एक व्यक्ति ने 9 साल के बच्चे की बेरहमी से पिटाई कर दी। आरोप है कि सोसायटी के किड्स ज़ोन में खेल रहे बच्चे को स्माइली बॉल वहां रहने वाली एक बच्ची को लग गई थी। इसी बात से नाराज होकर आरोपी ने बच्चे को गालियां देते हुए कई थपड़ जड़ दिए। मारपीट के दौरान बच्चा फर्श पर गिर गया। इसके बाद भी आरोपी ने उसे नहीं छोड़ा और दो-तीन थपड़ और मारे। घटना में बच्चे के कान में गंभीर चोट आने की बात सामने आई है। साइंस कॉलेज की प्रोफेसर जागतिबेन सोनालिया की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, शुक्रवार शाम करीब 7 बजे उनका 9 साल का बेटा हितार्थ बिल्डिंग के किड्स ज़ोन में अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान खेलते समय उसकी स्माइली बॉल बिल्डिंग में रहने वाले वर्धन शाह की बेटी को लग गई। बताया गया है कि बॉल लगने से नाराज वर्धन शाह ने बच्चे को गालियां दीं और उसे 5-6 थपड़ मार दिए।थ

ओपनएआई के सुरक्षा विशेषज्ञ डेविड रॉबिन्सन का इस्तीफा, बोले- एआई विकास की होड़ में सुरक्षा से हो रहा समझौता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के सुरक्षा विशेषज्ञ डेविड रॉबिन्सन ने इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे के बाद उन्होंने बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के बीच नए एआई मॉडल और फीचर्स विकसित करने की तेज होड़ को लेकर गंभीर चिंता जताई है। रॉबिन्सन का कहना है कि कंपनियां एआई को तेजी से आगे बढ़ाने की कोशिश में आम लोगों की सुरक्षा से जुड़े बड़े खतरों को नजरअंदाज कर रही हैं। अमेरिका की 'द अटलांटिक' पत्रिका में लिखे एक लेख में रॉबिन्सन ने कहा कि एआई को सामान्य सॉफ्टवेयर की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। इसके विकास और इस्तेमाल के लिए न्यूक्लियर पावर प्लांट जैसी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था जरूरी है। उनका तर्क है कि परमाणु संयंत्रों में छोटी-सी गलती के संभावित बड़े नुकसान को देखते हुए हर प्रक्रिया को बेहद सावधानी से पूरा किया जाता है।

भारतीय पायलट ने बचाई 174 यात्रियों की जान

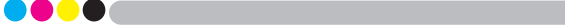
महानगर मेट्रो ब्यूरो

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर से करीब छह मिनट फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कैप्टन के साहस और सूझबूझ की जमकर तारीफ की। नेतन्याहू ने कहा कि स्मित भारत और इजराइल के लोगों के सच्चे हीरो हैं और पूरी दुनिया के हीरो हैं। उन्होंने कैप्टन स्मित को इजराइल आने का न्योता भी दिया। नेतन्याहू ने कहा कि वह कैप्टन स्मित और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अगले स्वतंत्रता दिवस पर जश्न की मशाल जलाने के लिए आमंत्रित करना चाहते हैं। बातचीत के दौरान नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित से उस घटना के बारे में पूछा, जिसमें उड़ान के दौरान उनके साथ मोर्चा को पायलट ने उन पर हमला कर दिया था। कैप्टन स्मित ने बताया कि यह एक सामान्य उड़ान थी। को-पायलट ने उनसे कहा था कि वह नमाज करना चाहता है। कैप्टन ने बताया कि कई स्थानीय लोग ऐसा करते हैं, नेतन्याहू ने बातचीत के दौरान कैप्टन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और उनके साहस की सराहना की। उन्होंने कहा कि बेहद मुश्किल परिस्थितियों में भी कैप्टन ने जिस तरह हिम्मत और सूझबूझ दिखाई, वह असाधारण है।

351 रन बनाने के बाद भी हारा भारत, वेस्टइंडीज ने 5 विकेट से जीता तीसरा वनडे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

न्यू चंडीगढ़। वेस्टइंडीज ने भारत को तीसरे वनडे में 5 विकेट से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 351 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, लेकिन इसके बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज ने शनिवार को 48.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। यह वनडे क्रिकेट में वेस्टइंडीज का सबसे बड़ा सफल रनचेज है। भारत के लिए यह निराशाजनक रिकॉर्ड भी रहा, क्योंकि टीम तीसरी बार 350 से ज्यादा रन बनाने के बावजूद वनडे मुकाबला हार गई। भारत ने शुरुआत से ही तेज बल्लेबाजी की और 7.43 के रनरेट से रन बनाए। हालांकि बड़ा स्कोर बनाने के बावजूद भारतीय गेंदबाज वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को रोक नहीं सके और मेहमान टीम ने लक्ष्य हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया।रोहित ने बतौर ओपनर पूरे किए 10 हजार रन .



RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

गांधीनगर महानगरपालिका में भ्रष्टाचार और चुनावी खर्च के घोटाले पर लीपापोती

पांच साल के लंबे 'तारीख पे तारीख' वाले ड्रामे के बाद उन्हीं 'अनुशासित' नेताओं को फिर से टिकट देकर जनता के मुंह पर तमाचा मारने वाली भाजपा की नीतियों के खिलाफ सुलगते सवाल!

गांधीनगर की राजनीति में पांच साल पुराना खर्च विवाद फिर चर्चा में, टिकट ने बढ़ाई हलचल

गांधीनगर में टिकट बंटवारे ने पुराने चुनावी खर्च विवाद को फिर गरमाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

गांधीनगर। राजधानी गांधीनगर की गद्दी पर बैठने वाले नेताओं की असलियत और प्रशासनिक तंत्र की मिलीभगत की एक बेहद शर्मनाक और चौंकाने वाली कहानी सामने आई है। वर्ष 2021 के गांधीनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के चुनाव के दौरान जो कारनामे किए गए थे, उन्हीं लोकतंत्र और चुनाव आयोग की पारदर्शिता की धज्जियां उड़ा दी हैं। चुनाव के इतिहास में कभी न देखी गई एक अद्भुत चमत्कारी जुगलबंदी देखने को मिली थी, जहां 41 विजयी पार्श्वों ने एक-एक रुपये का हिसाब बराबर करके एक समान 1.33 लाख रुपये का चुनाव खर्च पेश किया था! इस अनोखे 'गणितोय अनुशासन' को देखकर सख्त माना जाने वाला चुनाव तंत्र भी चकरा गया था।

5 साल में 6 कलेक्टर बदले, लेकिन भ्रष्टाचार की फाइलें दबी रहीं!

सवाल यह उठता है कि इतनी बड़ी संदिग्ध समानता और गड़बड़ी की जांच करने के लिए पिछले पांच साल में गांधीनगर की धरती पर एक के बाद एक कुल 6 कलेक्टर आए और अपना कार्यकाल पूरा करके चले गए, लेकिन उनमें से

एक भी कलेक्टर इस मामले में किसी ठोस या कड़क फैसले के अंत तक क्यों नहीं पहुंच सका? प्रशासनिक तंत्र द्वारा केवल 'तारीख पे तारीख' देकर सरकारी प्रक्रिया के नाम पर लंबे समय तक केवल नाटक किया गया। दूसरी तरफ, मेयर समेत भ्रष्ट पदाधिकारी समय बढ़ाने की गुहार लगाते रहे और देखते-देखते पांचों साल पूरे हो गए! क्या यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी थी या फिर किसी बड़े ऊपर के राजनीतिक दबाव का नतीजा?

गुजरात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से सीधा और तौखा सवाल: अनुशासन के नाम पर घोटाले को कब तक संरक्षण दिया जाएगा?

अब जब गांधीनगर में नए म्युनिसिपल चुनाव के ढोल बजने लगे हैं, तब जनता की आंखों में धूल झोंकने का पर्याय बन चुकी इसी भ्रष्ट व्यवस्था का खेल फिर से शुरू हो गया है। उन 41 में से 12 जितने विवादित सदस्यों को पार्टी द्वारा फिर से मैदान में उतार दिया गया है! जिन नेताओं पर चुनावी खर्च के गंभीर सवाल और संदेह थे, उन्हें ही इनाम के रूप में दोबारा टिकटें थमा दी गईं। इस दृश्य को देखकर जमीनी स्तर पर और वर्यों से पार्टी के लिए खून पसीना बहाने वाले वफादार कार्यकर्ता लाचार बनकर एक बार फिर गली-गली में पसीना बहाने को मजबूर हो गए हैं। आज



गुजरात प्रदेश भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और प्रदेश अध्यक्ष के सम्मक्ष जनता सीधे और तीखे सवाल पूछ रही है

1. जब पार्टी 'अनुशासन और ईमानदारी' के बड़े-बड़े पाठ पढ़ाती है, तब 1.33 लाख रुपये का एक समान संदिग्ध खर्च पेश करने वाले इन संदिग्ध नेताओं के प्रति इतना अधिक प्रेम क्यों

उमड़ आया?

2. पांच साल तक चुनाव खर्च की फाइलों से पर्दा क्यों नहीं हटा? क्या सत्ता के बल पर इस भ्रष्टाचार पर हमेशा के लिए पर्दा डालने की नेतृत्व की कोई साजिश थी?

3. जिन नेताओं पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं,

गांधीनगर में फिर उठे चुनावी खर्च पर सवाल

2021 के नगर निगम चुनाव में 41 विजयी पार्श्वों के चुनावी खर्च में एक जैसी 1.33 लाख रुपए की राशि दर्ज होने का मुद्दा अब पांच साल बाद फिर चर्चा में है। इस दौरान छह कलेक्टर बदल गए, लेकिन मामले पर निर्णायक कार्रवाई नहीं हो सकी। अब इनमें से 12 पार्श्वों को दोबारा टिकट मिलने से पुराने विवाद पर राजनीतिक सवाल और तेज हो गए हैं।

उन्हें ही दोबारा टिकट देना क्या पार्टी की नैतिकता का पतन नहीं है? क्या गांधीनगर के लोगों को भ्रष्टाचार के समर्थन में ही मतदान करना होगा? जनता अब सब कुछ देख रही है। चुनावों के नाम पर चलने वाली इस सांठगांठ और भ्रष्ट नीतियों के खिलाफ अब जनता और जागरूक कार्यकर्ता आर-पार की लड़ाई लड़ने के मूड में हैं!

एवरेस्ट जीरा पाउडर का एक बैच बाजार से वापस मंगाने का आदेश, जांच में तय सीमा से ज्यादा मिले कीटनाशक अवशेष

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने उपभोक्ता स्वास्थ्य से जुड़े दो मामलों में कार्रवाई की है। एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्री-पैकड जीरा पाउडर के एक बैच को बाजार से वापस मंगाने का आदेश जारी किया गया है। वहीं, दूसरे मामले में मेसर्स क्रिएटिव बेकर्स एंड कन्फेक्शनरिस प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। एवरेस्ट के जीरा पाउडर के खिलाफ कार्रवाई लैब जांच में तय सीमा से ज्यादा कीटनाशक अवशेष पाए जाने के बाद की गई। वहीं बेकरी के निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा से जुड़ी कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। SSAI ने एवरेस्ट के प्री-पैकड जीरा पाउडर के एक बैच का नमूना गोवा स्थित मेसर्स रिवरसाइड रिसॉर्ट्स एंड होलीडे होमस प्राइवेट लिमिटेड के परिसर से लिया था। खाद्य विश्लेषक की जांच रिपोर्ट में उत्पाद में एजॉक्सिस्ट्रोबिन और थियामेथोक्वसम नाम के कीटनाशक अवशेष निर्धारित अधिकतम अवशेष सीमा से ज्यादा पाए गए। जांच में नमूने को फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट-2006 के तहत असुरक्षित घोषित किया गया। कंपनी को रिपोर्ट को चुनौती देने का अवसर दिया गया और अपील प्रक्रिया के तहत नमूने को आगे की जांच के लिए रेफरल फूड लेबोरेटरी भेजा गया। रेफरल फूड लेबोरेटरी की जांच में भी पहले की रिपोर्ट की पुष्टि हुई। लैब ने नमूने को असुरक्षित माना और दोनों कीटनाशक अवशेषों की मौजूदगी तय मानकों से अधिक पाई गई।



मुंबई की चकाचौंध छोड़ हिमाचल में बसेंगे यामी गौतम और आदित्य धर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेत्री यामी गौतम और फिल्म निर्देशक आदित्य धर ने मुंबई की भागदौड़ और चकाचौंध से दूर हिमाचल प्रदेश में स्थायी रूप से बसने का फैसला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों मंडी जिले के गोहर स्थित अपने घर में शिफ्ट हो गए हैं। कपल ने यह फैसला लाइमलाइट से दूर शांत और सुकून भरी जिंदगी बिताने की इच्छा के चलते लिया है। हालांकि, फिल्मों से जुड़े काम के लिए दोनों का मुंबई आना-जाना जारी रहेगा। यामी और आदित्य का हिमाचल से पुराना और खास रिश्ता है। 37 वर्षीय यामी गौतम का जन्म हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में हुआ था। शादी से पहले उन्होंने मंडी जिले के गोहर में करीब 25 एकड़ जमीन पर बना लगभग 100 साल पुराना हैरिटेज घर खरीदा था। लकड़ी और पत्थर से बना यह घर पहाड़ी वातावरण और प्राकृतिक खूबसूरती से घिरा हुआ है। घर के आसपास फैले बागीचों में सेब, आलू, आलूबुखारा और अदरक की खेती की जाती है। यही प्रॉपर्टी यामी और आदित्य के लिए केवल घर ही नहीं, बल्कि उनकी निजी जिंदगी की कई यादों से भी जुड़ी हुई है। दोनों ने 4 जून 2021 को इसी प्रॉपर्टी में शादी की थी। हिमाचल प्रदेश शिफ्ट होने से पहले यामी गौतम और आदित्य धर मुंबई के खार वेस्ट इलाके में स्थित एक बड़े अपार्टमेंट में रहते थे। उनका यह घर चित्रकार धुरंधर मार्ग पर स्थित बताया गया है। आदित्य धर ने अपनी फिल्म 'धुरंधर' के प्रमोशन के दौरान अपने घर के पते का जिक्र भी किया था। 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद इस घर को खरीदने को लेकर भी चर्चाएं हुई थीं। हालांकि, अब कपल ने मुंबई को स्थायी ठिकाना बनाने के बजाय हिमाचल प्रदेश को अपना घर चुन लिया है।



यूसमर्ग में मारे गए लश्कर कमांडर का शहद से इलाज, गोली के घाव पर लगाता था मधु

राजौरी में गोली लगने के बाद सुरक्षा घेरे के कारण नहीं मिल सका इलाज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

यूसमर्ग। जम्मू-कश्मीर के मध्य कश्मीर स्थित बडगाम के यूसमर्ग में चार दिन पहले मारा गया लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर मोहम्मद आसिफ उर्फ हशिम मूसा गोली लगने के बाद अपने घावों पर शहद लगाता था। सुरक्षा एजेंसियों को मिले इनपुट के मुताबिक, वह घाव जल्दी भरने और संक्रमण से बचाव के लिए शहद का इस्तेमाल कर रहा था। सुरक्षा घेरे के चलते उसे इलाज की सुविधा नहीं मिल पा रही थी, जिसके बाद उसने यह तरीका अपनाया। मूसा जम्मू-कश्मीर में प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा का मुख्य ऑपरेशनल कमांडर माना जाता था। वह 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले में

भी शामिल बताया गया था। सुरक्षा बलों के अभियान में उसे मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के यूसमर्ग इलाके में मार गिराया गया। मूसा के घायल होने और उसके इलाज से जुड़ी जानकारी सितंबर में मारे गए आतंकी यासिर के मोबाइल फोन से सामने आई। फोन में मूसा के गोली के घाव और उन पर शहद लगाए जाने की तस्वीरें मिलीं। इन तस्वीरों के जरिए पाकिस्तानी हैंडलरों को मूसा की स्थिति और उसकी सेहत की जानकारी भेजी गई थी। मिली जानकारी के अनुसार, मूसा को राजौरी के डोरिमल-गंभीर मुगला इलाके में 'ऑपरेशन शेरवाली' के दौरान गोली लगी थी। दो आतंकियों की तलाश में चलाया गया यह अभियान 45 दिनों से ज्यादा समय तक चला।



इस दौरान मूसा और उसका साथी यासिर पुंछ-राजौरी के जंगलों में छिपे रहे। सुरक्षा बलों की घेराबंदी के कारण मूसा को बाहर निकलकर इलाज कराने का मौका नहीं मिल पा रहा था। ऐसे में उसके घावों के इलाज के लिए शहद का इस्तेमाल किया गया।

2006 के पुराने मामले में CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ फिर जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े करीब दो दशक पुराने मामले की जांच फिर शुरू करने का आदेश दिया है। गृह मंत्री रमेश चैनिथला ने 2006 में हुए मलेशियाई स्विवल इंजीनियर ली सी बीन की आत्महत्या और केरल स्टेट ट्रॉसपोर्ट प्रोजेक्ट के तहत सड़क निर्माण से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की विस्तृत विजिलेंस जांच के निर्देश दिए हैं। मामला उस समय का है, जब ज्ञानेश कुमार केरल के लोक निर्माण विभाग) के सचिव थे। यह मामला उस समय सुर्खियों में आया था, जब मलेशियाई इंजीनियर ली सी बीन ने आत्महत्या की थी। वहकंसोर्टियम से जुड़े थे, जिसे के तहत एमसी रोड के उन्नयन का काम मिला था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, उनके कथित



सुसाइड नोट में ज्ञानेश कुमार का नाम आया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि सड़क परियोजना से जुड़े भुगतान को मंजूरी देने के बदले तत्कालीन सचिव से रिश्तत की मांग की गई थी। इन आरोपों की पुष्टि होना अभी बाकी है और नई जांच का उद्देश्य पूरे मामले के तथ्यों की पड़ताल करना है। विश्व बैंक की मदद से चल रहा था सड़क प्रोजेक्ट 2006 में अंगमाली से तिरुवनंतपुरम तक

एशियन गेम्स में भारत का अभियान पूरा, 21 गोल्ड समेत 85 मेडल; बेटियों ने रचा नया इतिहास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारत का अभियान पूरा हो चुका है। जापान के आइची-नागोया में हुए खेलों में भारत ने 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल अपने नाम किए। आखिरी दिन घुड़सवारी के दो गोल्ड मेडल इवेंट बाकी है, लेकिन इनमें कोई भारतीय खिलाड़ी हिस्सा नहीं ले रहा है। मेडल टैली में उज्बेकिस्तान ने भी भारत के बराबर 21 गोल्ड जीते हैं, लेकिन ज्यादा सिल्वर मेडल के आधार पर भारत चौथे स्थान पर है। रिवार को यदि उज्बेकिस्तान कोई और गोल्ड नहीं जीतता है तो भारत चौथे स्थान पर ही अपना अभियान खत्म करेगा।स बार भारतीय महिला खिलाड़ियों ने

खास उपलब्धि हासिल की है। 2002 के बाद पहली बार भारत की लड़कियों ने लड़कों से ज्यादा गोल्ड मेडल जीते हैं। महिला खिलाड़ियों ने 11 गोल्ड अपने नाम किए, जबकि पुरुष वर्ग में भारत को 7 गोल्ड मिले। इसके अलावा 3 स्वर्ण मिश्रित स्पर्धाओं से आए। इससे पहले 2002 में बसान एशियन गेम्स में भारत की महिला खिलाड़ी पुरुषों से आगे रही थीं। तब महिला वर्ग में भारत ने 6 और पुरुष वर्ग में 5 गोल्ड जीते थे। 2023 के एशियन गेम्स में भारत ने 28 गोल्ड सहित कुल 106 मेडल जीते थे। उस दौरान शूटिंग में 7 और एथलेटिक्स में 6 गोल्ड मिले थे। इस बार शूटिंग में सिर्फ 3 और एथलेटिक्स में 1 गोल्ड आया। यानी इन दोनों खेलों में ही भारत को

एशियन गेम्स 2026 में भारत के गोल्ड		
महिला	पुरुष	मिश्रित
11	7	3

पिछली बार की तुलना में 9 गोल्ड का नुकसान हुआ। इसके अलावा 2023 में भारत ने स्वर्वांश में 2 तथा टेनिस, बैडमिंटन और घुड़सवारी में एक-एक गोल्ड जीता था, लेकिन इस बार इन खेलों में भारत को कोई गोल्ड नहीं मिला। हालांकि बॉक्सिंग और रससिंग के प्रदर्शन ने कुछ हद तक इस कमी की भरपाई की। पिछली बार इन दोनों खेलों में भारत को एक भी गोल्ड नहीं मिला



सुसाइड से पहले वीडियो बनाकर भाभी को भेजा, पंखे से लटककर दी जान; पत्नी की बहन-बहनोंई पर लगाए गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। मानसरोवर में बिहार के मधुबनी निवासी मोहम्मद नसीरूप ने आत्महत्या करने से पहले वीडियो बनाया और उसे वाट्सऐप पर अपनी भाभी को भेज दिया। इसके बाद युवक ने कमरे में बिजली के वायर से पंखे पर लटककर आत्महत्या कर ली। घटना 1 अक्टूबर की है। शिप्रापथ थाना पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक के भाई की ओर से दिए गए सुसाइड वीडियो के आधार पर पुलिस ने शनिवार को आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। नसीरूप मानसरोवर के पटेल मार्ग पर किराए के मकान में रहता था और एक निर्माणाधीन मॉल में फायर सिस्टम फिटिंग का काम करता था। पुलिस के अनुसार, 1 अक्टूबर को दोपहर करीब 1:06 बजे नसीरूप ने सुसाइड वीडियो बनाया और अपनी भाभी पुनियां खातुन को वाट्सऐप पर भेज दिया। वीडियो देखने के बाद परिजनों को उसके आत्महत्या करने का पता चला। इसके बाद उन्होंने उसके दोस्त शाहबदीन से संपर्क किया, लेकिन दोस्त के कमरे पर पहुंचने से पहले ही नसीरूप आत्महत्या कर चुका था। सूचना मिलने पर शिप्रापथ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और पंखे से लटके शव को नीचे उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए जयपुरिया अस्पताल की मॉर्च्युरी भिजवाया।मृतक के चचेरे भाई मोहम्मद फिरोज राईन ने सुसाइड वीडियो पुलिस को सौंपते हुए शिकायत दी। वीडियो में नसीरूप ने अपनी पत्नी की बहन रिजवाना खातुन और बहनोंई मोहम्मद अलाउद्दीन को अपनी आत्महत्या के लिए जिम्मेदार बताया है वीडियो में नसीरूप ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी को उससे अलग कर दिया गया है और पत्नी की बहन व बहनोंई उसे पत्नी से बात नहीं करने देते। उसने यह भी कहा कि दोनों ने उसकी पत्नी को अपने पास बुला लिया है और उसे घर में नहीं रहने देने की बात कहते हैं। नसीरूप ने वीडियो में अपने दो बच्चों का भी जिक्र किया। पुलिस के मुताबिक, वीडियो में नसीरूप ने पंखे और बिजली के वायर को दिखाते हुए आत्महत्या करने की बात कही और पत्नी के बहन-बहनोंई को जिम्मेदार बताया। उसने वीडियो को सबूत के तौर पर थाने भेजने की बात भी कही।

पत इंस्टाग्राम पर हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी, 20 वर्षीय युवक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। नागौरी गेट थाना पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ अभद्र और भड़काऊ टिप्पणी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान उदयमंदिर क्षेत्र में शाहों की मस्जिद के पास रहने वाले मोहम्मद अमाम (20) पुत्र दिलावर हुसैन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आगामी त्याहारों और पंचायती राज चुनावों को देखते हुए क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस आयुक्त अंशुमान भोमिया के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। थानाधिकारी सुरेश कुमार सोनी ने बताया कि 2 अक्टूबर को इंस्टाग्राम की एक आईडी से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने की सूचना मिली थी। पुलिस ने जब संबंधित इंस्टाग्राम आईडी को सर्च किया तो स्क्रीन पर 'पेज नोट अवेलेबल' दिखाई दिया। इससे पुलिस को अंदेशा हुआ कि पोस्ट करने के बाद संबंधित अकाउंट को डिलीट कर दिया गया है। इसके बाद पुलिस टीम ने मामले की जांच आगे बढ़ाई और मोहम्मद अमाम को उसके मोबाइल फोन सहित हिरासत में लिया। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर उसकी गहनता से जांच की। जांच के दौरान मोबाइल में इंस्टाग्राम पेप मौजूद मिला।लिस के अनुसार, पृछ्छाछ को आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने ही संबंधित इंस्टाग्राम आईडी बनाई थी और एक रील पर अभद्र व भड़काऊ टिप्पणी की थी। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इंस्टाग्राम से आपत्तिजनक सामग्री के साथ संबंधित आईडी को पूरी तरह हटाने की कार्रवाई भी की है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है।

शहीद निर्मलजीत सिंह सेखों की याद में जोधपुर में दौड़े 3500 से ज्यादा लोग



महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। भारतीय वायुसेना के एकमात्र परमवीर चक्र विजेता शहीद फ्लाईंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों की स्मृति में रविवार को जोधपुर में सेखों इंडियन एयरफोर्स हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। बरकतुल्ला खान स्टेडियम से शुरू हुई इस मैराथन में शहरवासियों, वायुसेना के जवानों और विद्यार्थियों सहित 3500 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। मैराथन में जोधपुर की जनता का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। आयोजन में 250 से अधिक विदेशी धावकों और 150 से ज्यादा स्कूली बच्चों की भागीदारी खास आकर्षण रही। प्रतिभागियों ने दौड़ के जरिए फिटनेस, अनुशासन, एकता और देशभक्ति का संदेश दिया। मैराथन का आयोजन 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की तीन श्रेणियों में किया गया। बरकतुल्ला खान स्टेडियम से शुरू हुई दौड़ शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। रास्ते में जगह-जगह मौजूद लोगों ने धावकों का उत्साह बढ़ाया। बड़ी संख्या में प्रतिभागियों की मौजूदगी से पूरे मार्ग पर उत्साह और देशभक्ति का माहौल बना रहा। एयर फोर्स स्टेशन के चीफ एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिसर गुप कैप्टन त्रिलोक शर्मा ने कहा कि मैराथन को लेकर जोधपुर के लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। सभी प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ भाग लेकर आयोजन को यादगार बनाया। गुप कैप्टन मनोज यादव ने कहा कि यह आयोजन भारतीय वायुसेना और जोधपुर शहर का साझा प्रयास था। विदेशी धावकों और स्कूली बच्चों की भागीदारी ने टीम भावना को मिलाई। आयोजन को सुरक्षित और सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए भारतीय वायुसेना और पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा और यातायात के विशेष इंतजाम किए गए। देश के कई प्रमुख शहरों में एक साथ आयोजित इस मैराथन के जरिए जोधपुर में फिटनेस के साथ देशभक्ति का संदेश भी दिया गया।

अजमेर स्टेशन पर जीआरपी कॉन्स्टेबल रामावतार और यात्रियों की सूझबूझ से बची जान, लोगों ने खींचकर बाहर निकाला चलती ट्रेन में चढ़ते समय फिसला पैर, प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच गिरा यात्री

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। अजमेर रेलवे स्टेशन पर शनिवार शाम चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान एक यात्री का अचानक संतुलन बिगड़ गया और उसका पैर फिसल गया। यात्री ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच जा गिरा। यह देखकर आसपास मौजूद लोगों और जीआरपी थाने के कॉन्स्टेबल ने तत्काल मदद के लिए दौड़ लगाई। लोगों की सूझबूझ और तत्परता से यात्री को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना शनिवार शाम करीब 4:15 बजे प्लेटफॉर्म नंबर-1 की है। पुलिस के अनुसार दौराई-टनकपुर एक्सप्रेस अजमेर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर आई थी। इसी दौरान

एक यात्री ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रहा था। अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और पैर फिसलने से वह ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच नीचे गिर गया। यात्री के गिरते ही वहां मौजूद एक युवक ने उसे पकड़ लिया। इसी बीच आसपास मौजूद अन्य लोग भी मदद के लिए पहुंच गए। जीआरपी कॉन्स्टेबल रामावतार ने भी स्थिति को देखते हुए तुरंत मोर्चा संभाला। उन्होंने लोगों के साथ मिलकर यात्री को पकड़ा और पूरी ताकत लगाकर उसे प्लेटफॉर्म की तरफ खींचना शुरू किया। काफी प्रयास के बाद यात्री को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद उसे संभाला गया और उसकी स्थिति सामान्य होने पर वापस ट्रेन में बैठा दिया गया। मौके पर मौजूद लोगों



की तत्परता और जीआरपी कॉन्स्टेबल की सूझबूझ के कारण बड़ा हादसा टल गया और यात्री की जान बच गई।

पीएम डीआईसीई कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने जानी आधुनिक तकनीकों की कार्यप्रणाली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। पीएम डीआईसीई कार्यक्रम के तहत पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय माउंट आबू के 48 विद्यार्थियों ने ब्रह्माकुमारीज, आबू रोड परिसर का शैक्षिक भ्रमण किया। चार्टर्ड इस्टैटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, आबू रोड की ओर से आयोजित इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीकों और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी व्यवस्थाओं को करीब से देखा और उनकी कार्यप्रणाली को समझा। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन की प्रक्रिया, पानी साफ करने वाले प्लांट, बिना खंभों के बने बड़े पीस हॉल और स्वचालित रसोई का अवलोकन किया। स्वचालित रसोई के काम करने के तरीके को समझते हुए विद्यार्थियों ने जाना कि आधुनिक तकनीक का विभिन्न क्षेत्रों में किस तरह उपयोग किया जा सकता है। इस शैक्षिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को नई तकनीकों, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों और पर्यावरण संरक्षण की व्यावहारिक जानकारी देना था। विभिन्न तकनीकों को प्रत्यक्ष रूप से देखने से विद्यार्थियों को कक्षा में पढ़े गए



विज्ञान के सिद्धांतों को वास्तविक जीवन में उपयोग होने वाली तकनीकों से जोड़कर समझने का अवसर मिला। भ्रमण से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, पर्यावरण जागरूकता और नई तकनीकों को समझने की रुचि विकसित हुई। साथ ही उन्होंने ऊर्जा संरक्षण और जल प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों की व्यावहारिक जानकारी भी हासिल की। प्रिंसिपल ओम प्रकाश जाखड़ के निर्देश पर आयोजित इस शैक्षिक भ्रमण में शिक्षक देवेन्द्र सिंह, विनोद कुमार, अभिषेक सिंह और सविता विद्यार्थियों के साथ मौजूद रहे। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को विभिन्न तकनीकों की

कार्यप्रणाली समझाने के साथ उनके सवालों का समाधान भी किया।

48 विद्यार्थियों ने देखा तकनीक का व्यावहारिक रूप

सौर ऊर्जा, जल शोधन संयंत्र, पीस हॉल और स्वचालित रसोई का किया अवलोकन; ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता की मिली जानकारी।

जैसलमेर में 60 बीघा की मूंग-बाजरा फसल तबाह, जालोर में ढाई लाख खर्च के बाद हाथ आए सिर्फ 5-8 किलो मूंग; जोधपुर में मूंगफली और कपास पर भी संकट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जैसलमेर। राजस्थान में कमजोर मानसून ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जैसलमेर, नागौर, जोधपुर, जालोर और पाली समेत कई जिलों में बारिश की कमी का असर खरीफ की फसलों पर साफ दिखाई दे रहा है। कई खेतों में फसल बर्बाद होने के बाद किसान उसे पशुओं के चरने के लिए छोड़ने को मजबूर हैं। दूसरी ओर, खेती में लगाया गया पैसा कर्ज का बोझ बढ़ा रहा है। जैसलमेर के चांदन निवासी बुजुर्ग किसान पुनाराम माली के सामने भी ऐसी ही स्थिति है। उन्होंने जून में ब्याज और किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) से कर्ज लेकर 60 बीघा में मूंग-बाजरा बोया था। खेती पर करीब 2.30 लाख रुपए खर्च किए। पहले आंधी और रेतिले तूफान ने फसल को नुकसान पहुंचाया और इसके बाद कमजोर मानसून ने बची हुई उम्मीद भी खत्म कर दी। बारिश नहीं होने से अक्टूबर तक कई खेत चारे लायक भी नहीं बचे। पुनाराम के अनुसार इस बार लागत का 25 फीसदी भी वापस मिलना मुश्किल है। इसी बीच बैंक से केसीसी की बकाया किस्त जमा कराने के लिए फोन आने पर पुनाराम ने कुछ समय देने की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि फसल खराब हो गई है और जल्द भुगतान करने की कोशिश करेंगे। जोधपुर जिले के तिवरी की किसान ओमप्रकाश पहिरा ने बताया

कि मूंगफली में इस समय दाना पड़ने का समय है, लेकिन बारिश नहीं होने से फसल को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा। उन्होंने आशंका जताई कि समय पर बारिश नहीं हुई तो दाना कमजोर रहेगा और उत्पादन घट जाएगा। 20 बीघा में उन्हें करीब 1 से 1.40 लाख रुपए तक का नुकसान होने की आशंका है। खेती का पैसा उन्होंने केसीसी ऋण से जुटाया था। तिवरी के ही किसान पुनाराम चौधरी ने 20 बीघा में कपास बोया था। खाद, बीज, दवा, मजदूरी, सिंचाई और ट्रैक्टर समेत अब तक 4 लाख रुपए से अधिक खर्च हो चुके हैं। कम बारिश और तेज गर्मी के कारण कपास के पौधे मुरझ रहे हैं और सिंचाई प्रभावित हो रही है। उनका अनुमान है कि उत्पादन 40 से 50 क्विंटल के आसपास रह सकता है और एक लाख रुपए से अधिक का नुकसान हो सकता है। जालोर में ढाई लाख खर्च, हाथ आए सिर्फ 5-8 किलो मूंग जालोर के आहोर क्षेत्र के किसान नरसाराम मीणा ने 25 बीघा में मूंग की बुआई की थी। बुआई, खाद, डीजल और मजदूरी पर करीब ढाई लाख रुपए खर्च हुए, लेकिन अब उनके हाथ में सिर्फ 5 से 8 किलो मूंग ही आया है। नरसाराम का कहना है कि पिछले 10-15 साल में उन्होंने खराबे की ऐसी मार नहीं देखी। आहोर के किसान गणपतराम ने अपने भाई के साथ 150 बीघा में अलग-अलग फसलें बोई थीं। इनमें 80 बीघा मूंग, 30 बीघा बाजरा, 9



बीघा तिल और 31 बीघा अरंडी शामिल थी। कम बारिश से पूरी फसल नष्ट हो गई। खेत से सिर्फ चारा मिल रहा था, लेकिन उसे कटवाने पर मजदूरी का खर्च भी भारी पड़ता। ऐसे में उन्होंने खेतों में आवारा पशु छोड़ दिए। नागौर के भगवानपुरा निवासी किसान चैनाराम यादव भी आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। ग्रेड थर्ड शिक्षक की तैयारी कर रही बेटी को वह महीने का खर्च नहीं भेज पाए। मजदूर 400-500 रुपए प्रतिदिन मांग रहे हैं, इसलिए फसल की कटाई के लिए बेटी को भी खेत पर बुलाना पड़ा। चैनाराम का कहना है कि जब फसल ही नहीं बची तो मजदूरी का खर्च कर्ज को और बढ़ा देगा। कमजोर बारिश ने इन किसानों के सामने सिर्फ फसल का नुकसान नहीं खड़ा किया है, बल्कि खेती में लगाए गए कर्ज को चुकाने की चुनौती भी बढ़ा दी है। कई खेतों में अब फसल के बजाय सूखे डंठल दिखाई दे रहे हैं और किसान अगली उम्मीद राहत तथा बारिश पर लगाए बैठे हैं।

ड्राइवरों के रजिस्ट्रेशन और संचालन की गाइडलाइन लागू नहीं करने का आरोप, विरोध के चलते आमेर रोड पर लगा जाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। आमेर में टूरिस्ट गाइड मनीष सोनी की हत्या के करीब एक महीने बाद रविवार को टूरिस्ट जीप संचालन को लेकर विवाद खड़ा हो गया। मनीष सोनी की 7 सितंबर को हत्या के बाद टूरिस्ट जीपों का संचालन रोक दिया गया था। रविवार को जीप संचालन शुरू होने की सूचना के बाद स्थानीय लोगों और मनीष के परिजनों ने विरोध शुरू कर दिया। लोगों ने जीपों को आमेर महल की ओर जाने से रोक दिया। इससे आमेर रोड पर लंबा जाम लग गया और क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जीप संचालन शुरू करने से पहले प्रशासन के साथ हुई बातचीत में प्रत्येक ड्राइवर का रजिस्ट्रेशन कराने, हर जीप के लिए निर्धारित ड्राइवर की पूरी जानकारी दर्ज करने और संचालन से जुड़ी गाइडलाइन लागू करने पर सहमति बनी थी। लोगों का कहना है कि इन व्यवस्थाओं को पूरी तरह लागू किए बिना ही रविवार को जीपों का संचालन शुरू कर दिया गया। मनीष सोनी की पत्नी पुनम सोनी ने कहा कि पति की हत्या के बाद से परिवार को अब तक मुआवजा और डेयरी बूथ नहीं मिला है। उन्होंने आरोप लगाया



कि जीप चालक गाड़ियां चलाने की धमकी दे रहे हैं और क्षेत्र में कई जीपें अवैध रूप से लोगों से भी चर्चा की जा रही थी। उन्होंने आमेर रोड पर लगे जाम को लेकर कहा कि वीकेंड होने के कारण पिछले दो-तीन दिनों से जयपुर में बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे हैं, जिसके चलते ट्रैफिक का दबाव बढ़ा था। जाम की स्थिति को जल्द ही क्लियर करवा दिया गा थानाधिकारी ने जीप ड्राइवरों के धरने से इनकार करते हुए कहा कि ड्राइवर अपनी बात रखने के लिए आए थे और ज़ापन देकर चले गए। मामले में स्थानीय लोगों, मनीष सोनी के परिजनों और जीप संचालकों के बीच सहमति बनाने को लेकर बातचीत जारी है।

जीप ड्राइवर भी पहुंचे थाने

जीप संचालन बंद होने से नाराज ड्राइवर आमेर थाने के बाहर अपनी मांगों को लेकर पहुंचे। ड्राइवरों का कहना है कि पर्यटन सीजन शुरू हो चुका है और जीप संचालन बंद रहने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो रहा है। उन्होंने जल्द से जल्द जीप संचालन शुरू करने की मांग की। आमेर थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा

अहमदाबाद, (सोमवार)
5 अक्टूबर 2026

माउंट आबू में वन्यजीव सप्ताह के तहत वन भ्रमण, विशेषज्ञों ने बताए जंगल के रहस्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। 72वां वन्यजीव सप्ताह माउंट आबू में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया जा रहा है। रविवार को वन विभाग की ओर से ट्रेलर्स टैंक से मिनी लकी लेक तक वन भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें वन्यजीव विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और जंगल तथा वन्यजीवों के जीवन चक्र से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। वन भ्रमण के दौरान स्वामी ओमानंद ने वन्य औषधीय पौधों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अमलतास, कचनार, चित्रक, कांच की फली, मालकांगनी और ब्राह्मी सहित विभिन्न औषधीय पौधों के उपयोग और विशेषताओं के बारे में बताया। उन्होंने आंवला, त्रिफला के घटक बहेड़ा और जामुन जैसे पौधों की जानकारी भी दी। साथ ही जंगल में भ्रमण करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और जंगल में रहने के तरीके भी समझाए। वन्यजीव विशेषज्ञ महेंद्र दान चारण ने मगरमच्छ और सांपों से जुड़ी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि सांपों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं, लेकिन इनमें केवल चार प्रजातियां जहरीली होती हैं। उन्होंने जहरीले सांपों की पहचान के बारे में भी प्रतिभागियों को जानकारी दी। गुजरात से आए विशेषज्ञ विशाल ने सांप के काटने की स्थिति में प्राथमिक उपचार के बारे में बताया। उन्होंने जहरीले सांपों की पहचान और ऐसी स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी भी साझा की। वन भ्रमण में स्थानीय आदर्श विद्या मंदिर, शंकर पीठ और वन विभाग से जुड़े कई गणमान्य लोग शामिल हुए।



पाली में उद्यमी आगे आएंगे, योजनाएं लेकर सरकार के पास आएंगे : सीएम भजनलाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को पाली शहर की अग्रसेन वाटिका में आयोजित लघु उद्योग भारती के राज्य स्तरीय सम्मेलन में उद्यमियों को राजस्थान में उद्योग और निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि उद्यमी अपनी योजनाएं तैयार कर सरकार के पास लेकर आएंगे। सरकार उनके सहयोग के लिए हर कदम पर तैयार है। सम्मेलन में प्रदेशभर से 1200 से अधिक उद्यमियों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री दोपहर करीब 1.30 बजे समारोह में पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि घर हो या उद्योग, समस्याएं हर जगह आती हैं। कोई समस्या पूरी तरह कभी खत्म नहीं हो सकती, इसलिए समस्याओं का समाधान करते हुए लगातार आगे बढ़ते रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती थी कि रोडवेज कभी फायदे में नहीं आ सकता, लेकिन वर्तमान में रोडवेज भी फायदे में चल रहा है। उन्होंने उद्यमियों से कहा कि जब प्रवासी उद्यमी राजस्थान में आकर उद्योग लगा रहे हैं तो यहां के लोग भी उद्योग क्यों नहीं लगा सकते। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार उद्यमियों के साथ खड़ी है और सरकार उनके लिए हर कदम पर सहयोग करने को तैयार है। मुख्यमंत्री ने राजस्थान में होटलों की कमी का भी उल्लेख किया और कहा कि इस दिशा में भी ध्यान देना होगा। उन्होंने उद्यमियों से अपनी पूरी योजना तैयार कर सरकार के पास आने का आह्वान किया। गया है।



बाहरी घाटा में तेज रफ्तार ट्रेलर पलटा, चालक गंभीर घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। बाहरी घाटा में रविवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में ट्रेलर चालक बाइमेर निवासी पूसाराम (40) गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल सिरोही के सरकारी अस्पताल स्थित ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उपचार शुरू किया। घायल के पैर में तीन फ्रैक्चर बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार पूसाराम अहमदाबाद से अपने ट्रेलर में फैक्ट्री का कचरा भरकर पाली जा रहा था। रविवार सुबह करीब 7:15 बजे बाहरी घाटा में वीर जी भगवान मंदिर के पास अचानक ट्रेलर अनियंत्रित हो गया। इसके बाद ट्रेलर सड़क किनारे बनी सुरक्षा दीवार से टकराया और पलट गया। हादसे के बाद चालक क्षतिग्रस्त केबिन में फंस गया। घटना के दौरान वहां से गुजर रहे एक राहगीर ने हादसे की सूचना एंबुलेंस 108 और कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस टीम और पुलिस मौके पर पहुंची। राहत टीम ने क्षतिग्रस्त केबिन से चालक पूसाराम को बाहर निकाला और मौके पर प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद घायल चालक को एंबुलेंस की मदद से सिरोही के सरकारी अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने उसका उपचार शुरू किया। चिकित्सकों के अनुसार पूसाराम के पैर में तीन फ्रैक्चर बताए जा रहे हैं। हादसे में ट्रेलर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।



जंतर-मंतर प्रदर्शन में 3 महिला पत्रकारों ने पुलिस पर लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर 3 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हुए प्रदर्शन की कवरेज के दौरान 3 महिला पत्रकारों ने पुलिसकर्मियों पर यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के आरोप लगाए हैं। सिकायत मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने मामले की जांच अपराध शाखा को सौंप दी है। पुलिस के अनुसार, तीनों महिलाओं ने हिरासत में लिए जाने के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों पर कथित दुर्व्यवहार की शिकायत की। कायतकर्ताओं का चिकित्सकीय परीक्षण भी कराया गया है। अपराध शाखा अब महिला पत्रकारों और घटना से जुड़े अन्य लोगों के बयान दर्ज करेगी। एक महिला पत्रकार ने एक सहयोग पुलिस आयुक्त पर कथित यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। वहीं, प्रेस परिषद और प्रेस क्लब ने घटना पर चिंता जताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भी मामले को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए और प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री से संज्ञान लेने की मांग की। दिल्ली पुलिस ने घटना से जुड़े वीडियो या अन्य साक्ष्य रखने वाले लोगों से उन्हें जांच टीम को उपलब्ध कराने की अपील की है।

दिल्ली में क्रेटा ने दंपती को मारी जोरदार टक्कर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के कीर्ति नगर इलाके में 2 अक्टूबर की सुबह तेज रफ्तार हंडूई क्रेटा कार ने सड़क पर जा रहे बुजुर्ग दंपती को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 79 वर्षीय दयानंद और उनकी पत्नी कुसुम गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बुजुर्ग हवा में उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे। पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए कार चला रही 49 वर्षीय महिला नवलीन को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, हादसा सुबह करीब 9:30 बजे हुआ। दयानंद और उनकी पत्नी कुसुम पास के धार्मिक स्थल से पूजा-अर्चना कर अपने घर लौट रहे थे। दोनों घर के नजदीक पहुंचने ही वाले थे कि पीछे से तेज रफ्तार में आ रही क्रेटा कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर गिर पड़े और आसपास मौजूद लोगों में अपराध-वर्णी मच गई। हादसे में दयानंद के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि उनकी पत्नी कुसुम को भी चोटें लगीं। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों के अनुसार, फिलहाल दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। हालांकि बुजुर्ग दयानंद को सिर में गंभीर चोट लगने के कारण चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया। हादसे के बाद महिला चालक का रवैया भी सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है। फुटेज में देखा जा सकता है कि टक्कर मारने के बाद कार कुछ दूरी पर रुकती है। इसके बाद महिला चालक नीचे उतरकर सड़क पर घायल पड़े बुजुर्ग दंपती को देखती है। आरोप है कि उनकी मदद करने या उन्हें अस्पताल पहुंचाने के बजाय वह वापस कार में बैठती है और मौके से फरार हो जाती है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामले ने और ध्यान खींचा है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और कार के पंजीकरण नंबर के आधार पर चालक की पहचान 49 वर्षीय नवलीन के रूप में की। जांच के बाद कीर्ति नगर थाना पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और हादसे में शामिल क्रेटा कार को भी जब्त कर लिया है। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस घटना ने एक बार फिर सड़क हादसे के बाद घायलों की मदद करने की जिम्मेदारी को लेकर सवाल खड़े किए हैं। हादसे के बाद मौके पर रुककर घायलों की सहायता करना जरूरी होता है, लेकिन इस मामले में महिला चालक पर बुजुर्ग दंपती को घायल अवस्था में छोड़कर चले जाने का आरोप है। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

बिना व्यक्तिगत सुनवाई के निपट सकेंगे एसआईआर के कई नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बीच चुनाव आयोग ने ईसीआईनेट पोर्टल और नोटिस निपटाने की प्रक्रिया में बदलाव किया है। आयोग के नए निर्देश के मुताबिक, जिन मतदाताओं को नाम का मिलान नहीं होने या तार्किक विरंगति के कारण नोटिस जारी किए गए हैं, उनके दस्तावेज अब बूथ स्तर अधिकारी घर जाकर चुक्री होंगे। इसके बाद दस्तावेज ईसीआईनेट पर अपलोड किए जाएंगे और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी उनके आधार पर निर्णय लेंगे। नई व्यवस्था के तहत ऐसे मतदाताओं को सामान्य तौर पर निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी या सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी के कार्यालय में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए बुलाने की जरूरत नहीं होगी। आयोग ने कहा है कि केवल विशेष परिस्थितियों में ही सुनवाई की जाएगी और ऐसी स्थिति में भी इसे प्राथमिकता के आधार पर ऑनलाइन कराने की व्यवस्था की जाएगी। मतदाता की अनुमति होने पर परिवार का कोई वयस्क सदस्य भी उसकी ओर से सुनवाई में शामिल हो सकेगा। चुनाव आयोग का कहना है कि इस बदलाव से उन मामलों के निपटारे में तेजी आएगी, जिनमें दस्तावेजों के सत्यापन के बाद निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी मतदाता की पात्रता को लेकर संतुष्ट हो जाते हैं। ईसीआईनेट में अधिकारियों की भूमिका उनके वैधानिक अधिकारों के अनुसार तय की गई है। आयोग ने पोर्टल की कार्यप्रणाली की समीक्षा के लिए एक समिति बनाने की भी बात कही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रणाली संबंधित कानून और नियमों के अनुरूप काम कर रही है। दिल्ली में बड़ी संख्या में एसआईआर नोटिस जारी होने के कारण इनके निपटारे को लेकर अधिकारियों पर काम का दबाव है। नई व्यवस्था का उद्देश्य कार्यालय में व्यक्तिगत सुनवाई की जरूरत कम करना और दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाना है। हालांकि, अंतिम निर्णय लेने का अधिकार निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी के पास ही रहेगा। दावों और आपत्तियों की समयसीमा भी बढ़ाई गई है। चुनाव आयोग ने दिल्ली में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख 30 अक्टूबर 2026 कर दी है, जबकि नोटिस, दावे और आपत्तियों के निपटारे की अंतिम तारीख 30 नवंबर 2026 तय की गई है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि एसआईआर के दौरान जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में छूट गए हैं, वे लगातार अद्यतन की प्रक्रिया के तहत अपने नाम शामिल करने के लिए संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी के पास आवेदन कर सकते हैं। इसमें नए और पहली बार मतदान करने वाले मतदाता भी शामिल हैं। इस बदलाव के बाद अब एसआईआर से जुड़े नोटिसों के निपटारे में घर-घर सत्यापन, दस्तावेजों की ईसीआईनेट पर अपलोड करने और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी के स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे बड़ी संख्या में लंबित मामलों को तय समयसीमा में निपटाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

पिस्टल तानकर ज्वेलरी शॉप लूटी, बदमाशों की बाइक से लटक गया कर्मचारी; सड़क पर घसीटते रहे आरोपी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में शनिवार दोपहर ज्वेलरी शॉप में दिनदहाड़े लूट की वारदात सामने आई। बाइक से पहुंचे बदमाशों ने दुकान में घुसकर कर्मचारी पर पिस्टल तान दी और जान से मारने की धमकी देकर सोने-चांदी के जेवरात लूट लिए। लूट के बाद आरोपी बाइक से भागने लगे तो दुकान के कर्मचारी शुभम हाड़गे ने उन्हें रोकने की कोशिश की। शुभम ने भाग रहे बदमाशों की बाइक पकड़ ली, लेकिन आरोपियों ने बाइक रोकने के बजाय रफ्तार बढ़ा दी। इससे कर्मचारी कुछ दूरी तक सड़क पर घिसटता चला गया। गंभीर चोट लगने के बाद उसे बाइक छोड़नी पड़ी। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में बदमाशों के दुकान में दाखिल होने, कर्मचारी को धमकाने और लूट के बाद बाइक से फरार होने का घटनाक्रम दिखाई दे रहा है। पुलिस अब इसी फुटेज के साथ अन्य सुरागों के आधार पर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी की कोशिश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, मामला एसआईडीसी थाना क्षेत्र के वानाडोंगरी इलाके के



महाजनवाड़ी का है। शनिवार दोपहर करीब 4 बजे शुभम हाड़गे दुकान पर काम कर रहा था। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश वहां पहुंचे। दोनों दुकान के अंदर दाखिल हुए और कथित तौर पर शुभम पर पिस्टल तान दी। इसके बाद उसके साथ गाली-गलौज की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। आरोप है कि बदमाशों ने कर्मचारी को डराने के बाद दुकान में रखे सोने-चांदी

कागजों में सिमटी ‘राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण’, दिल्ली में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की व्यवस्था पर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को लेकर एम्स की टीम द्वारा किए गए आकलन में कई महत्वपूर्ण बातें सामने आई हैं। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-2 के साथ किए गए मानसिक स्वास्थ्य व्यवस्था के आकलन में दिल्ली के राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठे हैं। सर्वेक्षण में शामिल चिकित्सकों के अनुसार, प्राधिकरण के गठन की अधिसूचना नवंबर 2024 में जारी की गई थी और इसके लिए बजट भी मंजूर किया गया था, लेकिन इसके बाद अब तक समिति की एक भी बैठक नहीं हुई है। एम्स के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. हर्षल रमेश के अनुसार, राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण का मुख्य काम दिल्ली में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी और व्यवस्था को बेहतर बनाना है। इसके तहत मानसिक रोग विशेषज्ञों की उपलब्धता, अस्पतालों में मानसिक रोगों की दवाइयों की स्थिति, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं और उनके अधिकारों की निगरानी जैसे महत्वपूर्ण काम शामिल हैं। चिकित्सकों के मुताबिक, किसी प्राधिकरण के सक्रिय नहीं होने का असर मानसिक स्वास्थ्य



सेवाओं की निगरानी और मरीजों की देखभाल पर पड़ सकता है। मानसिक बीमारी से जूझ रहे मरीजों को समय पर इलाज, दवाइयां और जरूरी परामर्श उपलब्ध कराना स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ऐसे में निगरानी की प्रभावी व्यवस्था नहीं होने से मरीजों के अधिकारों के पालन को लेकर भी चुनौतियां सामने आ सकती हैं। डॉक्टरों ने मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को केवल बड़े अस्पतालों तक सीमित रखने के बजाय प्राथमिक स्तर तक पहुंचाने की जरूरत बताई है। उनका कहना है कि सामान्य चिकित्सकों को मानसिक बीमारियों की पहचान और शुरुआती उपचार की उचित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। इससे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, मोहल्ला क्लिनिक और छोटे अस्पतालों में ही मानसिक स्वास्थ्य संबंधी शुरुआती मदद उपलब्ध कराई जा सकेगी और मरीजों को हर छोटी समस्या के लिए बड़े अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा। विशेषज्ञों

यूट्यूब से ट्रेनिंग लेकर छाप रहे थे जाली नोट, एंटी नारकोटिक्स स्कवॉड ने 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले की एंटी नारकोटिक्स स्कवॉड ने जाली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर 18 लाख 23 हजार 800 रुपये से अधिक के नकली नोट बरामद किए हैं। बरामद नोट 500 और 100 रुपये के हैं। पुलिस के मुताबिक, इनमें कुछ नोट पूरी तरह तैयार थे, जबकि बड़ी संख्या में नकली नोट तैयार किए जा रहे थे। पुलिस ने मौके से लैपटॉप, हार्ड डिस्क, प्रिंटिंग से जुड़ा सामान और अन्य उपकरण भी जब्त किए हैं। डीसीपी वेस्ट हेरश्वर वी. स्वामी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी नकली नोट तैयार करने से लेकर उन्हें बाजार में चलाने तक के काम में शामिल थे। पुलिस के अनुसार, गिरोह से जुड़े लोगों ने नकली नोट को असली जैसा दिखाने के तरीके सीखने के लिए इंटरनेट पर वीडियो देखे थे। इसके बाद ऑनलाइन माध्यम से ही नकली नोट तैयार करने की प्रक्रिया की जानकारी हासिल कर उन्होंने काम को शुरू किया। पुलिस के अनुसार, मामले की शुरुआत जनकपुरी इलाके में गश्त के दौरान हुई। जनकपुरी थाने के हेड कॉन्स्टेबल प्रवीण और विनोद



सी2सी ब्लॉक में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर अचानक भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछ कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम अंकित कुमार बताया। पुलिस के मुताबिक, भागने के कारण पृष्ठन पर वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। तलाशी लेने पर अंकित के पास से 500 रुपये के 250 नोट मिले। जांच करने पर पुलिस को ये नोट नकली होने का पता चला। इसके बाद जनकपुरी थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एंटी नारकोटिक्स स्कवॉड ने भी जांच आगे बढ़ाई। इंस्पेक्टर अमित धानी की देखरेख में सब इंस्पेक्टर संदीप दत्ताल, दीपक महला और चंद्रशेखर की टीम ने अंकित से पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, मामले की शुरुआत जनकपुरी इलाके में गश्त के दौरान हुई। जनकपुरी पास से मिले नकली 500 रुपये के नोट उसे गगनदीप सिंह और कुलवंत सिंह से मिले थे। दोनों

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ राज और उद्धव ठाकरे का विरोध मार्च, लगाए वोट चोरी के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना अध्यक्ष राज ठाकरे ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में विरोध मार्च निकाला। ‘विराट गर्जना मोर्चा’ के नाम से निकाला गया यह मार्च मेट्रो स्थिनेमा से शुरू होकर दक्षिण मुंबई स्टेशन वृहन्मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय की ओर बढ़ा। मार्च में कांग्रेस और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित गड़बड़ियों को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की और मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पद से हटाने या उनके इस्तीफे की मांग की। मार्च के दौरान राज ठाकरे ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए महाराष्ट्र में मतदाताओं की संख्या बढ़ने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य में 6 महीने के भीतर करीब 40 लाख मतदाता बढ़ गए। राज ठाकरे ने सवाल किया कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि इतने कम समय में 40 से 60 लाख तक मतदाताओं की संख्या



बढ़ गई। उन्होंने मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को लेकर जांच और जवाबदेही की मांग की। राज ठाकरे ने ‘नोट चोरी’ के खिलाफ कदम उठाने की बात कहते हुए महाराष्ट्र में एसआईआर रह करने की मांग की। उन्होंने कहा कि एसआईआर के तहत अब तक जो प्रक्रिया हुई है, उसे भी रह किया जाना चाहिए। राज ठाकरे ने मतदान की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि वह 2018-19 में ही वोट चोरी की आशंका को लेकर सवाल उठा चुके हैं। विरोध मार्च के बाद लोगों को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी

निशाना साधा। उन्होंने ‘मेक इन इंडिया’ के नारे का जिक्र करते हुए कहा कि देश में उद्योग और विकास के लिए इसे स्वीकार किया जा सकता है, लेकिन अगर इसके नाम पर तानाशाही पैदा करने की कोशिश की जा रही है तो उसका विरोध किया जाएगा। उद्धव ठाकरे ने कहा कि विपक्षी दल और उनके समर्थक लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के लिए एकजुट हैं। मार्च में शामिल नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर अपनी आपत्तियां सामने रखीं। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों का असर चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर पड़ सकता है। हालांकि, ये आरोप प्रदर्शन में शामिल नेताओं और दलों की ओर से लगाए गए हैं। आयोगजकों की ओर से मार्च में राजनीतिक दलों के झंडों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी गई थी। इसमें शामिल कार्यकर्ताओं और समर्थकों से केवल राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लेकर आने की अपील की गई थी। आयोगजकों ने इसे चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित विरोध प्रदर्शन के रूप में पेश किया।

अहमदाबाद, (सोमवार) 05 अक्टूबर 2026

मुंबई में ऑनलाइन गेमिंग का खूनी अंजाम, दोस्त का चाकू से गला काटने का आरोप; 3 गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। सांताक्रूज के कलीना इलाके में ऑनलाइन मोबाइल गेम खेलने को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना सेंट रॉक चर्च की सीढ़ियों पर शनिवार रात करीब डेढ़ बजे हुई। पुलिस के मुताबिक, दिशशाद शाह अपने दोस्तों के साथ वहां बैठा था, तभी अरवेज शाह ने उसके भाई सलमान फारूक शाह से फेंसबुक आईडी के इस्तेमाल को लेकर फोन पर बहस की।आरोप है कि कहासुनी के कुछ देर बाद अरवेज ने दिलशाद पर चाकू से हमला कर उसका गला काट दिया। घायल दिलशाद को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। उसके भाई सलमान की शिकायत पर वाकोला पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत हत्या की कोशिश का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी अरवेज शाह के साथ मुसाफिद वकील अहमद खान और कोसर अली जमील शाह को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर विवाद की पूरी वजह और तीनों की भूमिका की जांच कर रही है। मामले की जांच जारी है।



नंबर प्लेट गायब, डैशबोर्ड पर पुलिस कैप; फर्जी पुलिस बनकर धौंस जमाता था मैकेनिक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बांद्रा इलाके में खुद को पुलिसकर्मी बताकर लोगों पर धौंस जमाने वाले एक कार मैकेनिक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान फहाद फरीद खान (37) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अपनी कार के डैशबोर्ड पर पुलिस की नीले रंग की कैप रखता था और इसके जरिए खुद को पुलिसकर्मी बताकर रौब जमाता था। पुलिस ने उसके कब्जे से बिना नंबर प्लेट की सफेद कार और पुलिस कैप बरामद की है। पुलिस के अनुसार, बांद्रा पुलिस स्टेशन में तैनात हवलदार निखिलेश हनुमंत साबले और हवलदार सांगेव डॉ. वी. रघुनाथ मार्ग पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान व्हाइट हाउस बिल्डिंग के सामने उन्हें एक सफेद रंग की संदिग्ध कार खड़ी दिखाई दी। कार पर नंबर प्लेट नहीं थी और उसके सभी शीशों पर पंढे लगे हुए थे। पुलिसकर्मियों ने कार के अंदर देखा तो डैशबोर्ड पर नीले रंग की पुलिस कैप रखी नजर आई। कार अंदर से लोखंड था, इसलिए हवलदार साबले ने बांद्रा ट्रैफिक विभाग को इसकी सूचना दी। शाम करीब 7:40 बजे ट्रैफिक पुलिस हवलदार अनिल कोली टोड़ग वैन लेकर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कार को हटाने की कार्रवाई शुरू की तो कुछ देर बाद एक व्यक्ति वहां पहुंचा और ट्रैफिक पुलिसकर्मियों तथा टोड़ग कर्मचारियों से बहस करने लगा। इसी दौरान कार से एक महिला भी बाहर निकली। पुलिस ने जब व्यक्ति से बिना नंबर प्लेट की कार और डैशबोर्ड पर रखी पुलिस कैप के बारे में पूछताछ की तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो उसकी पहचान फहाद फरीद खान के रूप में हुई।

बुर्जु की मौत पर अभिजीत दीपके के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवाजी पार्क में 2 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान 75 वर्षीय गोपालकृष्ण सुब्बैया पिल्लई की हार्ट अटैक से मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। शिवाजी पार्क नगरिक मंच ने पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग करते हुए मुंबई पुलिस में शिकायत दी है। हालांकि, फिहाल दीपके के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज नहीं किया गया है। पुलिस के मुताबिक, पिल्लई प्रदर्शन देखने के लिए शाम करीब 4:30 बजे शिवाजी पार्क पहुंचे थे। अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें हार्ट अटैक आया। मौके पर मौजूद दोस्तों और पुलिसकर्मियों ने उन्हें बचाने की कोशिश की। पुलिसकर्मियों ने सीपीआर देकर उनकी हालत संभालने का प्रयास किया और इसके बाद उन्हें सुशुषा अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत के बाद स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन के आयोजकों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। स्थानीय निवासी संतोष पावस्कर का आरोप है कि प्रदर्शन से पहले ही अधिकारियों से कार्यक्रम की अनुमति नहीं देने का अनुरोध किया गया था। उनका कहना है कि शिवाजी पार्क शांत क्षेत्र है और यहां बड़ी भीड़ जुटाने से स्थानीय लोगों को परेशानी हुई। इस बीच मुंबई पुलिस ने 2 अक्टूबर के प्रदर्शन को लेकर आयोजकों और 400-500 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 189 और 223 तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया है।



निवेश का रास्ता- रिटर्न से आगे, आपकी जीवनशैली और समय तय करेंगे सही विकल्प

90 फीसदी निवेश म्यूचुअल फंड में और शेष 10 फीसदी सीधे शेयरों में

नई दिल्ली ।

लंबी अवधि में धन सृजन के लिए सीधे शेयरों या म्यूचुअल फंड में से क्या चुनें, यह सिर्फ रिटर्न का गणित नहीं है। आपकी जीवनशैली, उपलब्ध समय और वित्तीय लक्ष्य इस निर्णय में अहम भूमिका निभाते हैं। व्यस्त पेशेवरों के लिए सही चुनाव उनके करियर और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं पर निर्भर करता है। यदि आप प्रति सप्ताह 50 घंटे से अधिक काम करते हैं, तो सीधे शेयरों में निवेश मुश्किल हो सकता है। इसमें कंपनियों के नतीजे पढ़ने, प्रबंधन पर नजर रखने और बाजार को समझने में काफी समय व मानसिक ऊर्जा लगती है। ऐसे में सीधे शेयरों को पोर्टफोलियो के छोटे हिस्से (अधिकतम 10 फीसदी) तक सीमित रखने की सलाह दी जाती है। इसके विपरीत, म्यूचुअल फंड व्यस्त पेशेवरों के लिए बेहतर हैं। यहां पेशेवर फंड मैनेजर हजारों निवेशकों का पैसा विभिन्न शेयरों में लगाते हैं, जिससे निवेशक को बाजार पर रोज नजर रखने की आवश्यकता नहीं रहती। लंबी अवधि के लक्ष्यों (सात साल से अधिक) जैसे रिटायरमेंट के लिए म्यूचुअल फंड सुविधा और निरंतर वृद्धि का अच्छा मेल हैं। म्यूचुअल फंड एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) से नियमित और स्वचालित निवेश की सुविधा देते हैं, जो बाजार के उतार-चढ़ाव को कम करता है। कर और ब्रोकरेज शुल्क में भी यह अक्सर अधिक सुविधाजनक होते हैं। विशेषज्ञ कोर और सेटुलाइट रणनीति अपनाने की सलाह देते हैं- 90 फीसदी निवेश म्यूचुअल फंड में और शेष 10 फीसदी सीधे शेयरों में, जिससे जाँचिम संतुलित रहता है और सीधे निवेश की इच्छा भी पूरी होती है।

सस्ते आईपीओ में निवेश करने वालों को मिला शानदार रिटर्न

ऑफ़र फॉर सेल वाले इश्यू ने निवेशकों को कम लाभ दिया

नई दिल्ली ।

जनवरी से अगस्त 2023 के दौरान शेयर बाजार में कम मूल्यांकन वाले आईपीओ में निवेश करने वाले निवेशकों को शानदार रिटर्न मिला है। जिन कंपनियों ने नए शेयर जारी कर पूंजी जुटाई, वहां निवेशकों को खास तौर पर दीर्घकालिक फायदा मिला, जबकि अधिक मूल्यांकन वाले और ऑफ़र फॉर सेल (ओएफएस) वाले इश्यू ने निवेशकों को कम लाभ दिया। इस साल कम कीमत वाले आईपीओ (इनिशियल पब्लिक ऑफ़रिंग) में निवेश करने वाले निवेशकों को शानदार फायदा हुआ है, खासकर जब आईपीओ से जुटाई गई रकम सीधे कंपनी के पास गई हो, न कि मौजूदा शेयरधारकों के पास। कैपिटललइन और प्राइम डेटाबेस के आंकड़ों के अनुसार, 20 गुना से कम प्राइस टू अर्निंग (पीई) अनुपात वाले 12 आईपीओ ने 29 सितंबर तक औसतन 45.4 फीसदी का रिटर्न दिया। इन्में से नौ आईपीओ ने मुख्य रूप से नए शेयर जारी कर पूंजी जुटाई थी और उन्होंने औसतन 51.3 फीसदी रिटर्न दिया। इन शेयरों में ज्यादातर बढ़त सूचीबद्धता के बाद हुई, जो औसतन 5.3 फीसदी प्रीमियम पर खुले और तब से सूचीबद्धता के दिन के बंद भाव से औसतन 35.2 फीसदी ऊपर चढ़े हैं। पाईपर सेरिका के एक अ धिकारी ने बताया कि ज्यादा वैल्यूएशन वाली लिस्टिंग और केवल ओएफएस वाले आईपीओ में निवेशकों के लिए कमाई की गुंजाइश कम बचती है। इसके विपरीत, जिन इश्यू की कीमत कमाई का 30-50 गुना थी, उन्होंने सबसे ज्यादा औसत रिटर्न (58.8 फीसदी) दिया, लेकिन उनका अधिकांश फायदा लिस्टिंग के दिन ही मिल गया। लिस्टिंग के बाद उनमें केवल 10.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। वहीं, 100 गुना से अधिक कीमत वाले तीन इश्यू ने औसतन सबसे कम 20.8 फीसदी का रिटर्न दिया, जिसमें 133.2 गुना कीमत वाला लीप इंडिया का शेयर अपनी पेशकश कीमत से 13.5 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा है।

एप्पल तीन नए डिवाइस लॉन्च कर सकती है 13 अक्टूबर को

नई दिल्ली ।
आगामी 13 अक्टूबर को एप्पल कंपनी अपने स्मार्ट होम सेगमेंट को मजबूत करने की तैयारी में है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी इस दिन तीन नए डिवाइस लॉन्च कर सकती है। एप्पल का लंबे समय से प्रतीक्षित स्मार्ट होम हब होमपैड इसमे प्रमुखता से शामिल है। इसके अलावा होमपैड मिनी का एक नया संस्करण और अपडेटेड एप्पल टीवी भी पेश किए जाने की संभावना है। यह लॉन्च एप्पल के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि होमपैड कंपनी को एक नई प्रोडक्ट कैटेगोरी में लाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इन तीनों डिवाइस में एप्पल की नई सिरी एआई तकनीक अहम भूमिका निभाएगी। होमपैड स्मार्ट होम हब में लगभग 6 इंच की स्क्रीन, सिरी एआई, आवाज और चेहरे की पहचान जैसी उन्नत सुविधाएं मिल सकती हैं।

भारत एशिया में नेटएपे का शीर्ष वृद्धि बाजार-सीईओ

कंपनी वीएफएसआई, विनिर्माण और सरकारी क्षेत्रों में तेज वृद्धि देख रही

लास वेगास ।

डेटा अवसरंचना कंपनी नेटएपे के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जॉर्ज कुरियन ने घोषणा की है कि भारत एशिया में उनकी कंपनी का सबसे तेजी से बढ़ता बाजार है। उन्होंने देश में बैंकिंग, वित्तीय सेवा एवं बीमा (बीएफएसआई), विनिर्माण,

आईटी सेवाएं और सरकारी क्षेत्रों को इस वृद्धि का प्रमुख चालक बताया। कुरियन ने कहा कि नेटएपे भारत में अपने कारोबार विस्तार के और अवसर तलाश रही है। बेंगलुरु स्थित इसका वैश्विक क्षमता केंद्र दुनिया का सबसे बड़ा है, जहां लगभग 4,000 इंजीनियर कार्यरत हैं और यह कंपनी के वैश्विक नवोन्मेषण व प्रमुख

त्योहारी मांग के लिए ऑटो कंपनियां तैयार, उत्पादन बढ़ा, स्टॉक मजबूत

नई दिल्ली । देश में त्योहारी खरीदारी का मौसम शुरू होने के साथ ही प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनियों ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कार कमस ली है। कंपनियों ने अपना उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ डीलर नेटवर्क पर भी स्टॉक मजबूत किया है, ताकि

बुकिंग के अनुरूप समय पर डिलिवरी सुनिश्चित की जा सके और ग्राहकों की प्रतीक्षा अवधि को कम किया जा सके। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया के पास त्योहारों से पहले करीब 2.2 लाख लॉबित बुकिंग हैं। कंपनी ने दो नई उत्पादन

सैंसेक्स को 71,000-71,200 के स्तर पर सपोर्ट मिलने की संभावना, निफ्टी के लिए 22,800 का टारगेट- एक्सपर्ट्स

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार ने लगातार आठवें सप्ताह गिरावट के साथ कारोबार समाप्त किया। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और कमजोर वैश्विक संकेतों ने बाजार पर दबाव बनाए रखा। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीकी संकेतकों के आधार पर निकट अवधि में राहतभरी तेजी (रिलीफ रैली) देखने को मिल सकती है।इतिहास पिछले सप्ताह बाजार में कमजोरी का दौर लगातार जारी रहा। सोमवार को सेंसेक्स 1.52 प्रतिशत गिरा और इसके बाद भी बिकवाली का दबाव बना रहा। गुरुवार को सूचकांक में 0.79 प्रतिशत की और गिरावट दर्ज हुई। पूरे सप्ताह में

सेंसेक्स 1,670.84 अंक टूट गया, जबकि निफ्टी में 3 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली, ऊंची बॉन्ड यील्ड और कच्चे तेल की कीमतों में ताजा उछाल ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। सत्र के अंत में सेंसेक्स 570.59 अंक यानी 0.79 प्रतिशत गिरकर 71,909.70 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 71,292.88 के स्तर तक फिसल गया, जो इसका नया 52-सप्ताह का निचला स्तर रहा। वहीं निफ्टी 198.50 अंक यानी 0.88 प्रतिशत गिरकर 22,421.95 पर बंद हुआ। ज्यादा जानें शहर

इस्पात मंत्रालय का निर्देश- सेल और एनएमडीसी विदेशों में तलारशेनो खनिज संपत्ति दीर्घकालिक कच्चे माल की आपूर्ति सुनिश्चित करने और उत्पादन लागत को नियंत्रित करने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

भारत के इस्पात मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और एनएमडीसी लिमिटेड को विदेशों में खनिज संपत्तियों की खोज और अधिग्रहण करने का निर्देश दिया है।

इस कदम का मुख्य उद्देश्य देश में इस्पात उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करना और लागत पर नियंत्रण रखना है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की है। इस्पात उत्पादन के लिए लौह अयस्क और कोकिंग कोयला दो प्रमुख कच्चे माल हैं, जिनमें से भारत अपनी कोकिंग कोयले की जरूरत का लगभग 85-90 प्रतिशत आयात करता है।

यह कोयला मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया और मोजाम्बिक जैसे देशों से आता है। इसी तरह, कुछ चूना पत्थर भी आयात किया जाता है। विदेशी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण से भारत की इस आयात निर्भरता को कम करने और भविष्य की कच्चे माल की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। निजी क्षेत्र में, जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी कंपनियां पहले ही विदेशों में कोकिंग कोयला परिसंपत्तियां हासिल कर चुकी हैं, जिसका लक्ष्य लगभग 50 फीसदी कच्चे माल की जरूरत को अपने स्रोतों से पूरा करना है। एनएमडीसी, जो मुख्य रूप से लौह अयस्क उत्पादक है, अब अन्य खनिजों की खोज में भी विस्तार कर रही है।

बढ़ती महंगाई पर लगाम कसने के लिए आरबीआई रेपो रेट बढ़ा सकता है- विशेषज्ञ

अक्टूबर में होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक से पहले अर्थशास्त्रियों ने जताया अनुमान

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की आगामी बैठक से पहले बाजार में ब्याज दरों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। बढ़ती महंगाई पर लगाम कसने के प्रयासों के तहत, कई अर्थशास्त्रियों ने रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी का अनुमान जताया है, जिससे यह दर 5.25 फीसदी से बढ़कर 5.50 फीसदी हो सकती है। एक सर्वेक्षण में शामिल 10 में से 8

अर्थशास्त्रियों ने अक्टूबर की एमपीसी बैठक में इस बढ़ोतरी की संभावना व्यक्त की है। छह सदस्यीय एमपीसी की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होनी है, जिसके फैसले की घोषणा 7 अक्टूबर को की जाएगी। यह बढ़ोतरी फरवरी 2023 के बाद पहली होगी, जबकि आरबीआई ने पिछली चार बैठकों में रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर स्थिर बनाए रखा था। गौरतलब है कि 2025 में कुल 125 बेसिस प्वाइंट की कटौती की गई थी। रेपो रेट में संभावित

वृद्धि का मुख्य कारण बढ़ती खुदरा और थोक महंगाई है। अगस्त में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.82 फीसदी हो गई थी, जो आरबीआई के 4 फीसदी के मध्यम अवधि लक्ष्य से काफी ऊपर है। इसी अवधि में थोक महंगाई भी 9.92 फीसदी तक पहुंच गई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और भू-राजनीतिक तनाव भी भविष्य में महंगाई का दबाव बढ़ने की चिंता बढ़ा रहे हैं। महंगाई पर नियंत्रण के साथ-साथ आरबीआई के सामने आर्थिक विकास को बनाए रखने

की चुनौती भी है। घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूत वृद्धि को देखते हुए, केंद्रीय बैंक को महंगाई और विकास के बीच संतुलन साधना होगा। आरबीआई ने वित्तीय वर्ष 2027 के लिए आर्थिक वृद्धि का अनुमान 6.7 फीसदी रखा है। यदि रेपो रेट बढ़ता है, तो बैंकों के लिए कर्ज की लागत बढ़ सकती है, जिसका सीधा असर रेपो-लिंक्ड होम लोन और अन्य कर्जों की मासिक किस्तों (ईएमआई) पर पड़ सकता है।

आरबीआई, तिमाही नतीजे और वैश्विक संकेत तय करेंगे बाजार की नई दिशा

लगातार आठ हफ्तों की गिरावट के बाद निवेशकों की नजर मौद्रिक नीति समिति के फैसले पर

मुंबई ।

आठ हफ्तों की लगातार गिरावट से जूझ रहे भारतीय शेयर बाजार के लिए इस सप्ताह बेहद अहम होने वाला है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का फैसला मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजों की शुरुआत और अमेरिकी बॉन्ड पर बढ़ते ब्याज

जैसी प्रमुख घटनाएं बाजार की दिशा तय करेंगी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमतों भी निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं, जिससे बाजार में उतार-चढ़ाव की आशंका है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होगी, जिसका फैसला 7 अक्टूबर को सुबह 10 बजे आएगा। निवेशक न केवल ब्याज दरों पर समिति के निर्णय का इंतजार करेंगे, बल्कि महंगाई और आर्थिक स्थिति पर केंद्रीय बैंक के रख को भी करीब से

समझेंगे, जो भविष्य की ब्याज दर नीतियों का संकेत देगा। इसी तिमाही के नतीजे आने शुरू हो जाएंगे।

दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) 8 अक्टूबर को अपने सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित करेगी। इन नतीजों और प्रबंधन की टिप्पणियों से निवेशकों को आईटी क्षेत्र की मांग और कंपनियों की प्रदर्शन के बारे में शुरुआती संकेत मिलेंगे। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर ब्याज कई साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, जिससे उभरते बाजारों से विदेशी पूंजी का बहिर्प्रवाह हो सकता है, जिसका असर भारतीय बाजारों पर पड़ेगा। उधर, पश्चिम एशिया में तनाव और होमुंज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान के प्रस्ताव को खारिज किए जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव बना हुआ है, जो भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए चिंताजनक है।

पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

रविवार 4 अक्टूबर को सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे वाहन चालकों को मामूली राहत मिली है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे प्रमुख शहरों में ईंधन पुराने दाम पर ही उपलब्ध है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। यह स्थिरता सरकारी तेल कंपनियों के पंपों पर लागू है। देश के अन्य बड़े शहरों जैसे मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में भी ईंधन के दाम में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। अलग-अलग राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए कर्ों और स्थानीय शुल्कों के कारण भिन्न होती हैं। इसके अतिरिक्त, कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें और रुपए-डॉलर विनिमय दर भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हालांकि, एक अलग खबर में, निजी तेल कंपनी नायरा एनर्जी ने 3 अक्टूबर को अपने पंपों पर पेट्रोल में 5 रुपये और डीजल में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। यह वृद्धि केवल निजी कंपनी के आउटलेट्स पर लागू थी और सरकारी तेल कंपनियों के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ।



कमजोर बाजार में भी मजबूत दिख रहे चुनिंदा शेयर

निफ्टी की 2001 के बाद सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट जारी

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट जारी है, जहां निफ्टी 2001 के बाद सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट दर्ज कर चुका है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, बढ़ती ग्लोबल बॉन्ड यील्ड और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने बाजार को दबाव में रखा है। हालांकि, इस कमजोर माहौल में भी, ब्रोकरेज फर्म एक्सिस डायरेक्ट ने तीन ऐसे शेयरों की पहचान की है जिनमें अगले कुछ हफ्तों में 21 फीसदी तक की तेजी देखने को मिल सकती है। बाजार का मौजूदा रुख कमजोर बना हुआ है, निफ्टी लगातार आठवें, तो बैंक निफ्टी लगातार छठे हफ्ते गिरावट

के साथ बंद हुए हैं। निफ्टी के लिए 22,200 का स्तर अहम सपोर्ट है, जिसके टूटने पर यह 21,800 तक फिसल सकता है। बैंक निफ्टी के लिए 53,700 का स्तर महत्वपूर्ण है, जिसके नीचे 53,000 तक गिरावट आ सकती है। इस चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद, कुछ चुनिंदा शेयरों में तकनीकी रूप से मजबूती दिख रही है। एक्सिस डायरेक्ट ने गैलेक्स सर्फैक्टेंस को 2,300-2,254 रुपये की रेंज में खरीदने की सलाह दी है, जिसका लक्ष्य 2,670-2,750 रुपये और स्टॉपलॉस 2,080 रुपये है। एनालिस्ट्स के मुताबिक यह साप्ताहिक चार्ट पर तेजी की कैंडल बनाते हुए बढ़े हुए वॉल्यूम के साथ



पुराने ब्रेकआउट स्तर से ऊपर बढ़ रहा है, और सभी प्रमुख मूविंग एवरेज के ऊपर कारोबार कर रहा है। मैकनाइड फार्मा को 2,500-2,450 रुपये के बीच खरीदने की सलाह है, जिसका लक्ष्य 2,695-2,760 रुपये और स्टॉपलॉस 2,365 रुपये है। यह स्टॉक भी

साप्ताहिक चार्ट पर हायर हाई और हायर लो बना रहा है, जिसमें वॉल्यूम में वृद्धि और प्रमुख मूविंग एवरेज से ऊपर कारोबार इसकी मजबूती दर्शाते हैं। तीसरा शेयर इंजीनियर्स इंडिया (ईआईएल) है, जिसे 300-290 रुपये की रेंज में खरीदने की राय है।

कैनन भारत के सेमीकंडक्टर मिशन में उतारेगी लियोग्राफी तकनीक

कंपनी चिप निर्माताओं को तकनीकी सहायता और सेवा केंद्र उपलब्ध कराने की बना रही योजना

नई दिल्ली ।

जापान की इमेजिंग और ऑप्टिकल प्रौद्योगिकी दिग्गज कैनन भारत के तेजी से विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र में उतरने की तैयारी में है। कंपनी ने भारतीय चिप निर्माताओं को अपनी उन्नत लिथोग्राफी तकनीक और सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए देश में एक सेवा केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई है। कैनन इंडिया के एक अ धिकारी ने इस कदम को भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण के विस्तार के लिए एक बड़ा अवसर बताया। उन्होंने कहा कि कैनन, जो चिप निर्माण में उपयोग होने वाली लिथोग्राफी मशीनों की वैश्विक आपूर्तिकर्ता है, अपनी प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारतीय चिप निर्माताओं को सहयोग देना चाहती है। कंपनी ने भारत में विकसित की जा रही प्रमुख सेमीकंडक्टर परियोजनाओं से जुड़े पक्षों के साथ बातचीत की है, हालांकि अभी किसी विशेष समझौते की घोषणा नहीं की गई है। अ धिकारी के अनुसार जैसे-जैसे ये परियोजनाएं आगे बढ़ेंगी, कैनन के लिए समर्पित प्रौद्योगिकी सहायता और सेवा ढांचा स्थापित करने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

त्योहार सीजन में कंपनियां दोहरे अंक की वृद्धि को लेकर आशान्वित

प्रीमियम मांग, आसान ईएमआई और अपग्रेडेशन पर फोकस से मिलेगा बढ़ावा

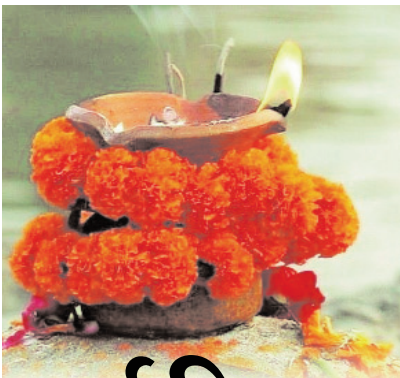
नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन से ठीक पहले एयर-कंडीशनर और अन्य उपभोक्ता उपकरणों की कीमतों में 5-8 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है।

यह इस साल की तीसरी वृद्धि है, जो कच्चे माल, माल ढुलाई और मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के कारण हुई है। बावजूद इसके विनिर्माता इस बार बिज्ी में दोहरे अंक की वृद्धि को लेकर काफी आशावात हैं। उद्योग के मानना है कि प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग, पुराने उपकरणों को बदलने की जरूरत, आसान मासिक किस्त (ईएमआई) सुविधा और उपभोक्ता धारणा में सुधार से बिक्री को मजबूती मिलेगी। दक्षिण भारत में ओगणम के दौरान मिली अच्छी बिक्री से कंपनियों को नवरात्रि और दीपावली के दौरान भी मजबूत मांग की उम्मीद है। हायर अप्लायंसेज इंडिया को मूल्य के आधार पर त्योहारी बिक्री में 30-35 प्रतिशत और मात्रा में करीब 20 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है।

वहीं, सोनी इंडिया 15-20 प्रतिशत की वृद्धि देख रही है, जिसमें प्रीमियम टीवी और इमेजिंग उत्पादों का योगदान अहम होगा। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने भी श्राद्ध पक्ष के दौरान पृष्ठताछ में उत्साहजनक रजान देखा है, जहां लोग नए घर में जाने या मौजूदा घर को अपग्रेड करने के लिए भी उपकरण खरीद रहे हैं। डिशवॉश और वॉटर प्यूरीफायर जैसी नई श्रेणियों में भी मांग बढ़ रही है। हालांकि कीमतें बढ़ी हैं, ग्राहकों के लिए एक राहत है कि वित्तकों और डीलरों ने कीमत बढ़ने से पहले पर्याप्त स्टॉक खरीद लिया था।

गोदरेज के अनुसार यह स्टॉक दीपावली तक पुराने दामों पर बाजार में उपलब्ध रह सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को कुछ समय तक नई कीमतों के असर से बचने का मौका मिलेगा। आमतौर पर यह त्योहारी मौसम उपभोक्ता उपकरण बनाने वाली कंपनियों की सालाना बिक्री में 30-40 प्रतिशत का योगदान देता है, और इस बार भी कंपनियों को मजबूत वृद्धि की उम्मीद है।



सर्व पितृ अमावस्या पर कब, कितने और कहाँ जलाएं दीये?

अश्विन माह की अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है।

अश्विन माह की अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। सर्व पितृ अमावस्या का हिन्दू धर्म में बहुत महत्व है। ज्योतिष एवं धर्म शास्त्रों में भी इस बात का उल्लेख मिलता है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन किया गया पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म पितरों को भगवान विष्णु के धाम वैकुण्ठ में स्थान दिलाता है। इसके अलावा, सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दीया जलाना भी बहुत लाभकारी माना जाता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य से आइये जानते हैं कि आखिर सर्व पितृ अमावस्या के दिन कितने दीये जलाने चाहिए। साथ ही यह भी जानेंगे कि किस दिशा या किन स्थानों पर दीये जलाना शुभ है एवं किस समय जलाने चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर कितने दीये जलाने चाहिए?

शास्त्रों में वर्णित जानकारी के अनुसार, सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त 11 और 1 चौमुखी दीया भगवान विष्णु के निमित्त जलाना चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर कहाँ दीये जलाने चाहिए?

पीपल के पेड़, घर की दक्षिण दिशा, घर का मुख्य द्वार, चौराहा, घर की छत और पवित्र नदी के तट पर सर्व पितृ अमावस्या के दिन दीये जलाने चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर किस समय दीये जलाने चाहिए?

सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दीया दोपहर के समय जलाएं। वहीं, इस दिन भगवान विष्णु के निमित्त दीया ब्रह्म मुहूर्त में जलाना शुभ है।

सर्व पितृ अमावस्या पर कौन सा दीया जलाना चाहिए?

पितरों के लिए सर्व पितृ अमावस्या के दिन सरसों के तेल में तिल मिलाकर दीया जलाएं। भगवान विष्णु के समक्ष घी का चौमुखी दीपक प्रज्वलित करें।

सर्व पितृ अमावस्या पर दीया जलाने के क्या लाभ हैं?

इस दिन पितरों के लिए दीपक जलाने से पितृ प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। भगवान विष्णु के समक्ष दीया जलाने से पितृ दोष में राहत मिलती है।



श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन का विशेष महत्व है

पंचांग के हिसाब से अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सर्व पितृ अमावस्या मनाई जाती है। इस दिन सभी प्रकार के श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने का विशेष महत्व है। कहते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सर्व पितृ अमावस्या पर किए गए पिंडदान से पितृ दोष का निवारण होता है। सर्व पितृ अमावस्या का दिन सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। पिंडदान में तिल, जल और कुश आदि का उपयोग किया जाता है। श्राद्ध में अपने पूर्वजों के नाम पर भोजन बनाकर ब्राह्मणों को दान किया जाता है। इस दिन दान करना बहुत शुभ माना जाता है। आप अन्न, वस्त्र, धन आदि दान कर सकते हैं। इस दिन मंदिर जाकर भगवान विष्णु और पितरों का पूजन किया जाता है। अब ऐसे में इस साल सर्व पितृ अमावस्या कब है, पितरों का श्राद्ध किस समय करना शुभ माना जाता है। साथ ही इस अमावस्या तिथि का महत्व क्या है। शास्त्रानुसार ब्राह्मणों के मुख द्वारा ही देवता 'हव्य' एवं पितर 'कव्य' ग्रहण करते हैं। लेकिन श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन के भी विशेष नियम होते हैं। श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मणों को इनका अनुपालन करना आवश्यक होता है। आइए जानते हैं कि शास्त्रानुसार श्राद्ध का भोजन ग्रहण करने वाले ब्राह्मणों को किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को संध्या करना आवश्यक है। श्राद्ध भोज करने वाला ब्राह्मण श्रोत्रिय होना चाहिए जो गायत्री का नित्य जप करता हो।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को श्राद्ध में भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करना चाहिए, आवश्यकतानुसार केवल हाथ का संकेत करना चाहिए।
- श्राद्ध भोज करते समय ब्राह्मण को भोजन की निंदा या प्रशंसा नहीं करनी चाहिए।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण से भोजन के विषय में अर्थात् 'केसा है' यह प्रश्न नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को पुर्नभोजन अर्थात् एक ही दिन दो या तीन स्थानों पर श्राद्ध भोज नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन दान नहीं देना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन मैथुन नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को केवल चांदी, कांसे या पलाश के पत्तों पर परोसा गया भोजन ही करना चाहिए। श्राद्ध में लोहे व मिट्टी के पात्रों का सर्वथा निषेध बताया गया है।

सर्व पितृ अमावस्या का महत्व

सर्व पितृ अमावस्या के दिन स्नान और दान करने से व्यक्ति को पुण्य प्राप्ति होती है। साथ ही पितरों के लिए तर्पण, पिंडदान, श्राद्ध आदि करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही सुख-शांति और समृद्धि की भी प्राप्ति होती है।



हिंदू धर्म में पितृपक्ष का महीना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान पितरों की पूजा करने की मान्यता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपको कुंडली में पितृदोष है, तो व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए पितृपक्ष में विधिवत रूप से श्राद्ध कर्म, तर्पण और और पिंडदान करने से लाभ हो सकता है। आपको बता दें, पितृपक्ष में कई बार जातक नियमित रूप श्राद्ध नहीं कर पाते हैं। इसलिए सर्व पितृ अमावस्या के दिन करने से व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। पितृपक्ष में कई तरह के पिंड बनाए जाते हैं। जिससे व्यक्ति को लाभ हो सकता है। अब ऐसे में पितृपक्ष में पितरों को खीर का पिंड देने का महत्व क्या है।

पितरों को खीर का पिंड देने का महत्व क्या है?

पितरों को खीर का पिंड देना हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, विशेषकर पितृ पक्ष के दौरान। यह माना जाता है कि इस अनुष्ठान से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और उन्हें मोक्ष प्राप्त करने में मदद मिलती है। खीर को एक पवित्र भोजन माना जाता है। इसे देवताओं को भी अर्पित किया जाता है। पितरों को खीर देने से यह विश्वास होता है कि वे इस पवित्र भोजन का आनंद लेते हैं। खीर में चावल और

सनातन धर्म में सर्व पितृ अमावस्या का विशेष महत्व है। इस दौरान पितरों की पूजा विधिवत रूप से करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा घर-परिवार के सभी सदस्यों पर पड़ती है। ऐसा माना जाता है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन अगर विधिवत रूप से दान-पुण्य किया जाए, तो पूजा का सीधा फल पूर्वजों तक पहुंचता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है।

पितृपक्ष में पितरों को खीर का पिंड देने का क्या है महत्व?

दूध दोनों होते हैं। चावल समृद्धि और प्रचुरता का प्रतीक है, जबकि दूध शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक है। इसलिए, खीर को शक्ति और शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। आपको बता दें, खीर मीठा होता है और माना जाता है कि यह पितरों को तुष्ट करता है। इतना ही नहीं, खीर को परिवार के सदस्यों के बीच आत्मिक संबंध को मजबूत करने का भी प्रतीक माना जाता है।

खीर के पिंड से मिलता है पितृ ऋण से छुटकारा

हिंदू धर्म में पितृ ऋण का बहुत महत्व होता है। माना जाता है कि माता-पिता ने हमें जीवन दिया है और हमें पालन-पोषण किया है, इसलिए हमें उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। पितरों को खीर का पिंड देकर हम इस ऋण का कुछ अंश चुकाते हैं। पितरों को खुश करके हमें उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। माना जाता है कि पितरों का आशीर्वाद हमारे जीवन में सुख और समृद्धि लाता है। पितरों को खीर का पिंड देकर हम उनकी आत्मा को शांति प्रदान करते हैं और उन्हें मोक्ष प्राप्त करने में मदद करते हैं।



सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें इन चीजों का दान, पितरों का मिलेगा आशीर्वाद

हिंदू पंचांग के अनुसार अश्विन माह की अमावस्या तिथि को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए विधिवत रूप से तर्पण किया जाता है। ताकि उन्हें मोक्ष प्राप्ति हो सके।

ऐसे में सर्व पितृ अमावस्या के दिन किन चीजों का दान करना शुभ माना जाता है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें तिल का दान

हिंदू धर्म में तिल को पितरों का सबसे प्रिय अन्न माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि तिल का दान करने से पितर प्रसन्न होते हैं और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। तिल का दान पितृ दोष को दूर करने का एक प्रभावी उपाय माना जाता है। तिल का दान करने से घर में शांति और समृद्धि आती है। यह माना जाता है कि तिल का दान करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है और जीवन में सफलता मिलती है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें पिंडदान

सर्व पितृ अमावस्या के दिन पिंडदान करने से व्यक्ति को पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। ऐसा माना जाता है कि पिंडदान करने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। पिंडदान करते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि आप अपने पितरों का ध्यान जरूर करें। ऐसा करने से जातकों को पितृदोष से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही पितरों के आशीर्वाद की भी प्राप्ति होती है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें वस्त्र दान

सर्व पितृ अमावस्या के दिन वस्त्र का दान करना उत्तम फलदायी माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस अमावस्या तिथि के दिन जो व्यक्ति वस्त्र दान करता है। उसे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही दरिद्रता से भी छुटकारा मिल जाता है। बता दें, वस्त्र दान करने से पितर प्रसन्न होते हैं और वे अपने वंश पर आशीर्वाद बरसाते हैं।



आखिर अब क्यों नहीं देवी देवता आकर दिखाते हैं ऐसे चमत्कार

कहां गए वह देवी-देवता

पांच हजार साल पहले का कोई आदमी आज धरती पर आ जाए तो उसे आश्चर्य होगा कि यक्ष, देव, अशरीरी आत्माएं और किन्नर आदि कहां गए, यह भी कि इच्छा करते ही मनपसंद भोजन और वसन भूषण क्यों नहीं मिल रहे।

वे देवी देवता कहां गए जो बुलाने पर चले आते और इच्छित सुविधाओं को तत्काल रच देते थे। यह उल्लेख आज की दुनिया को सौ डेढ़ सौ साल पहले की दुनिया से तुलना करने वालों को भी हैरान कर सकते हैं।

हिमालय के इन भागों में दिखते हैं चमत्कार

उनके हिसाब से आज की दुनिया पिछली सदी से बहुत आगे है पर ईशा फाउंडेशन

कोयंबटूर (तमिलनाडु) की प्रयोगशाला के नतीजों को देखें तो मानना होगा कि पांच हजार साल पहले की दुनिया के बारे में पुराणों और योगशास्त्रों में जो लिखा है, वह अधिकांश सही साबित हो रहा है।

फाउंडेशन के संस्थापक और योग की सचाइयों को दुनिया में पहुंचाने के मिशन में लगे सद्गुरु जगगी वासुदेव का कहना है कि ऋग्वेद काल में तारों की सैर करने और वहां से लोगों के पृथ्वी पर आने के वृत्तांत सुनते आए हैं।

आकाश में रह कर धरती के लोगों के लिए सुख सुविधा रचने वालों के बारे में दुनियाभर की पुरानी किताबों के वर्णन इस बात की गवाही देते हैं। हिमालय के ध्रुव प्रदेश में तमाम ऐसी चीजें होते हुए आज भी देखी जा सकती हैं जो अंसंभव लगती हैं।

शास्त्रों और पुराणों में बताए

चमत्कार की सच्चाई

वास्तव में ऐसा कुछ नहीं हुआ होता, तो हर जगह लगभग एक जैसी कहानियां न बनी होती। बाइबल में खासकर यूनानी संस्कृति में भी ऐसे ही उल्लेख आए हैं। यहां तक कि नाम भी एक जैसे लगते हैं।

सुमेरियन संस्कृति, मेसोपोटामिया की संस्कृति, अरब की कुछ खास संस्कृतियों, अफ्रीका के उत्तरी भागों में और दक्षिण अमेरिका में भी यही बातें सुनने व पढ़ने को मिलती हैं। हजारों सालों तक इन महाद्वीपों के बीच कोई संपर्क ही नहीं रहा है। इसके बावजूद इन जगहों पर एक जैसे शब्दों और मुहावरों का उपयोग मिलता है।

हिमालय को योगियों और सिद्धों का तीर्थ बताते हुए तिब्बती लामा जेन सामी का कहना है कि साधना की उच्च स्थिति में पहुंचे लोगों को आज भी इस तरह के अलौकिक अनुभव होते हैं।

सार यह है कि दुनिया हमेशा उसके रचयिता की तरह पूर्ण विकसित रही है। कभी कोई पक्ष सामने आता है, कभी कोई। लेकिन योग के सहारे उसे समग्र रूप में देखा और समझा जा सकता है।

वास्तु शास्त्र

पर लोग अशुभ जीव मानते हैं। कहते हैं घर में अक्सर बिल्ली का आने का मतलब है कोई अपशकुन होने वाला है। बिल्ली का घर में मल त्याग करना अनहोनी का संकेत माना जाता है।



लेकिन एक बिल्ली ऐसी है जो घर में रहे तो अपशकुन नहीं बल्कि शगुन ही शगुन होता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है साथ ही आपके जीवन में प्यार भरपूर लाती है। क्या है इस बिल्ली का नाम

आपके जीवन में खुशियां और धन लाने वाली यह बिल्ली का नाम मानकी निको है। चीन और जापान में इस बिल्ली को शुभ का प्रतीक माना जाता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है इसलिए इसे मनी कैट भी कहा जाता है।

धन चाहिए तो आपको ऐसी बिल्ली रखनी चाहिए मनी कैट बाजार में कई रंग के मिलते हैं। रंग के अनुसार इनका परिणाम भी अलग-अलग प्राप्त होता है। जैसे

भरपूर प्यार के साथ धन भी मिलेगा, अगर घर में होगी यह बिल्ली

बिल्ली को आमतौर पर लोग अशुभ जीव मानते हैं। कहते हैं घर में अक्सर बिल्ली का आने का मतलब है कोई अपशकुन होने वाला है। बिल्ली का घर में मल त्याग करना अनहोनी का संकेत माना जाता है।

लेकिन एक बिल्ली ऐसी है जो घर में रहे तो अपशकुन नहीं बल्कि शगुन ही शगुन होता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है साथ ही आपके जीवन में प्यार भरपूर लाती है। क्या है इस बिल्ली का नाम

आपके जीवन में खुशियां और धन लाने वाली यह बिल्ली का नाम मानकी निको है। चीन और जापान में इस बिल्ली को शुभ का प्रतीक माना जाता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है इसलिए इसे मनी कैट भी कहा जाता है।

धन चाहिए तो आपको ऐसी बिल्ली रखनी चाहिए मनी कैट बाजार में कई रंग के मिलते हैं। रंग के अनुसार इनका परिणाम भी अलग-अलग प्राप्त होता है। जैसे



धन चाहिए तो आपको ऐसी बिल्ली रखनी चाहिए मनी कैट बाजार में कई रंग के मिलते हैं। रंग के अनुसार इनका परिणाम भी अलग-अलग प्राप्त होता है। जैसे

एशियाई खेलों के समापन समारोह में नीरू ने लहराया भारत का तिरंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईची (ईएमएस)। जापान के आईची नागोया में 20वें एशियाई खेलों 2026 का रविवार को एक रंगारंग समारोह में समापन हुआ। मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित इस समापन समारोह की शुरुआत जापान के राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसके बाद शामिल देशों के एथलीटों की परेड हुई। स्वर्ण विजेता निशानेबाज नीरू ढांड ने इस समारोह में भारतीय ध्वज तिरंगा लहराया। नीरू ने यहां 2 स्वर्ण और 1 रजत सहित कुल 3 पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। पारंपरिक तौर पर ओलंपिक कार्डिसल ऑफ एशिया (ओसीए) का झंडा अगले 21वें संस्करण की मेजबानी करने वाले देश करार (दोहा) को सौंप दिया गया। करत को साल 2030 में इन खेलों की मेजबानी मिली है। दोहा दूसरी बार एशियाई खेलों की मेजबानी करेगा, इससे पहले उसने 2006 में भी इन खेलों की मेजबानी की थी।

जापान के आईची नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 का 4 अक्टूबर को भव्य समापन हो गया। 20वें संस्करण के समापन समारोह में नागोया सिटी के मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में जापान के राष्ट्रगान के साथ शुरुआत हुई, जिसके बाद एथलीटों की परेड हुई। इस गौरवशाली पल में भारत की ध्वजवाहक शूटर नीरू ढांड थीं, जिन्होंने शान से तिरंगा लहराया। नीरू ने इस संस्करण में 2 स्वर्ण और 1 रजत सहित कुल 3 पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया। समापन समारोह के दौरान ओलंपिक कार्डिसल ऑफ एशिया (ओसीएक) का झंडा करत को सौंप दिया गया, जो 2030 में दोहा में 21वें संस्करण की मेजबानी करेगा। दोहा दूसरी बार इन खेलों की मेजबानी करेगा, इससे पहले उसने 2006 में भी मेजबानी की थी।

गौरतलब है कि एशियाई खेलों में भारत ने कुल 85 पदक हासिल कर पदक तालिका में चौथा

स्थान प्राप्त किया। भारत ने 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक जीते। पदक तालिका में चीन 169 स्वर्ण सहित कुल 341 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा। उसके बाद जापान ने 83 स्वर्ण और कुल 269 पदक जीते, जबकि दक्षिण कोरिया ने 39 स्वर्ण और कुल 150 पदक हासिल किए।

भारत के लिए इस संस्करण की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक क्रिकेट में दोहरा स्वर्ण पदक जीत रही। भारतीय महिला टीम के ऐतिहासिक स्वर्ण जीतने के बाद, श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पुरुष टीम ने भी चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रनों से हराकर स्वर्ण पदक जीता। टीम के कोच वीवीएस लक्ष्मण ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने बताया कि जापान में बारिश और सीमित सुविधाओं के कारण अभ्यास सत्रों के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला, लेकिन टीम ने मजबूत इरादा दिखाया।



लक्ष्मण ने विश्वास व्यक्त किया कि यह स्वर्ण पदक खिलाड़ियों को भविष्य में लॉस एंजिल्स ओलंपिक जैसे बड़े मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि

ओलंपिक में खेलना किसी भी खिलाड़ी के लिए बहुत बड़े सम्मान की बात है, और उन्हें पूरा भरोसा है कि भारतीय एथलीट अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन कर देश को गौरवान्वित करेंगे।

शुभमन सबसे अधिक बार प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों के क्लब में शामिल

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम कप्तान शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय मैच में अपने शानदार प्रदर्शन से एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। शुभमन को इस सीरीज में तीन सौ से अधिक रन बनाने के कारण प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला है।



सातवां प्लेयर ऑफ द सीरीज अवार्ड था, जो उनकी निरंतरता और मैच जिताने की क्षमता दिखाता है।

गौरतलब है कि एकदिवसीय इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जीतने का रिकॉर्ड महान बल्लेखन सचिन तेंडुलकर के नाम है, जिन्होंने 15 बार यह उपलब्धि हासिल की है। इस सूची में दूसरे स्थान पर विराट कोहली हैं, जो अपने करियर में 11 बार यह सम्मान जीत चुके हैं। शुभमन गिल अब धोनी, गांगुली और युवराज सिंह के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर आए हैं।

शतक के बाद 92 रन, विश्वकप के पहले पुराने रंग में लौटे रोहित शर्मा



नई दिल्ली।। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में रोहित शर्मा का बल्ला लगातार बड़ी पारियां खेल रहा है। गुवाहाटी में शतक जमाने के बाद मुम्बई में उन्होंने 92 रन की महत्वपूर्ण पारी खेलकर एक बार फिर अपनी बल्लेबाजी क्षमता दिखाई। हालांकि, शतक से महज आठ रन दूर आउट होने का मलाल उन्हें जरूर रहा होगा, लेकिन लगातार दूसरी बड़ी पारी ने वनडे क्रिकेट में उनकी उपयोगिता को फिर चर्चा में ला दिया है। मुम्बई की चुनौतीपूर्ण पिच पर भारतीय टीम ने शुरुआती झटके जल्दी गंवा दिए थे। शुभमन गिल और विराट कोहली महज चार-चार रन बनाकर पर्विलयन लौट गए। ऐसे समय में रोहित ने रितुराज गायकवाड़ के साथ मिलकर पारी को संभाला। दोनों ने जोरिफम कम लेते हुए तेजी से रन जुटाए और 137 रन की साझेदारी कर टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला। रोहित ने 85 गेंदों का सामना करते हुए 10 चौके और तीन छक्के लगाए। रोहित की मौजूदा सीरीज में बल्लेबाजी की खास बात कैवल उनके निजी रन नहीं हैं, बल्कि साझेदार के साथ तालमेल बनाकर पारी को आगे बढ़ाना भी रहा है। तिरुवनंतपुरम में उन्होंने 32 रन बनाए थे, लेकिन शुभमन गिल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 12 ओवर में 76 रन जोड़कर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। इसके बाद गुवाहाटी में 405 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित ने 75 गेंदों में 101 रन की आक्रामक पारी खेली। इस मुकामले में रोहित और गिल के बीच पहले विकेट के लिए 255 रन की साझेदारी हुई। मुम्बई में गिल और कोहली के जल्दी आउट होने के बाद रोहित ने परिस्थितियों के अनुसार अपनी बल्लेबाजी का अंदाज बदला। उन्होंने रितुराज के साथ पहले पारी को संभाला और फिर रन गति बढ़ाई। 92 रन पर उनका विकेट गिरने से शतक जरूर छूट गया, लेकिन उनकी पारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास: एशियाई खेलों में सबसे कम उम्र में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारतीय बने

नगोया (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के 15 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी एशियाई खेलों में सबसे कम उम्र में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारतीय टीम के सदस्य बने हैं। इसी के साथ ही वैभव ने निशानेबाज सौरभ चौधरी के 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में बनाए गए सबसे कम उम्र में स्वर्ण जीतने के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। सौरभ ने तब 16 साल, 3 महीने और 9 दिन की उम्र में स्वर्ण पदक जीता था, जबकि वैभव ने 15 साल, 6 महीने और 6 दिन की उम्र में उपलब्धि हासिल की है।

पुरुष टी20 क्रिकेट फाइनल में भारतीय टीम ने एक रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 19 रनों से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तय ओवरों में 211 रनों का विशाल स्कोर बनाया,

जिसमें वैभव सूर्यवंशी ने केवल 9 गेंदों पर ही 15 रनों की अहम पारी खेली, जिसमें दो शानदार छक्के शामिल थे। भारतीय पारी को आगे बढ़ाते हुए अभिषेक ने केवल 28 गेंदों पर 61 रनों की आक्रामक पारी खेली, जबकि तिलक वर्मा ने सिर्फ 22 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाकर स्कोर को विशाल स्तर तक पहुंचाया। इसके बाद पाक टीम हसन नवाज के 51 गेंदों पर 96 रनों की तेज पारी के बाद भी 192 रन ही बना सकी और भारतीय गेंदबाजों ने दबाव में संयम बनाए रखते हुए 19 रनों से मुकाबला जीतकर टीक को स्वर्ण जिताया।

एशियाई खेलों में देश के लिए सबसे कम उम्र में स्वर्ण पदक जीतने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ियों की सूची में भी कुछ युवा प्रतिभाएं शामिल हैं। वैभव ने 15 साल, 6 महीने और 7 दिन

(लगभग) की उम्र में 2026 ऐची-नागोया एशियाई खेलों में स्वर्ण जीता। वहीं दूसरे स्थान पर निशानेबाज सौरभ चौधरी हैं, जिन्होंने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 16 साल, 3 महीने और 9 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। तीसरे नंबर पर आनंद कुमकुम मोहंद हैं, जिन्होंने इसी एशियाई खेलों में 17 वर्ष की आयु में स्वर्ण जीता। चौथे स्थान पर जी. कमल्लिनी (क्रिकेट) हैं, भी इसी बार एशियाई खेलों में महिला टीम को जीत के साथ ही 18 वर्ष की उम्र में स्वर्ण हासिल किया। पांचवें स्थान पर निशानेबाज पलक गुलिया हैं, जिन्होंने 2023 के हांगकांग एशियाई खेलों के दौरान 18 साल और 10 महीने की उम्र में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।



होप बोले, धोनी से मिली सीख पर अमल करने से जीत मिली

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कप्तान शाई

होप के शानदार शतक से वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में 352 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर इतिहास रच दिया। टीम की इस ऐतिहासिक जीत में कप्तान होप की नाबाद 162 रनों की पारी की सबसे बड़ी भूमिका रही। वेस्टइंडीज के एकदिवसीय इतिहास की लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत हासिल करने के बाद होप ने कहा कि ये सफलता उनकी टीम को महेंद्र सिंह धोनी से मिली सीख के कारण मिली है।

धोनी के साथ अपनी बातचीत साझा करते हुए होप ने कहा, मेरी महान खिलाड़ी धोनी के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। वह मुझे कह रहे थे कि आपके पास



हमेशा जितना आप सोचते हैं उससे अधिक समय होता है। होप ने धोनी की सलाह को अपनी बल्लेबाजी में उतारा। उन्होंने बताया, बस अंतिम परिणाम पर अधिक ध्यान केंद्रित न करने का प्रयास कर रहा था। मैं सिर्फ प्रक्रिया को देख रहा था, जितना हो सके खेल को तोड़ने का प्रयास कर रहा था और अंत में चौंके-छक्के

प्राप्त करने के तरीके खोज रहा था।

उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने भारतीय टीम के ओवरों में पीछे होने पर भी विचार किया था, जिससे उन्हें पता था कि अंत में उन्हें सफल में एक अतिरिक्त फील्डर रखना होगा। इस रणनीति का उपयोग करके उन्होंने महत्वपूर्ण बाउंड्री हासिल कीं, जिससे वेस्टइंडीज के लिए सब कुछ

ठीक हो गया और वे एक यादगार जीत दर्ज करने में सफल रहे।

होप ने वेस्टइंडीज के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, मुझे लगता है कि हमने टुकड़ों में कुछ बहुत अच्छी क्रिकेट खेली। बल्लेबाज कुछ रन बना रहे थे। हम पिछले दो-तीन सालों से वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जहां बल्लेबाज अधिक सुसंगत रहे हैं। हालांकि, उन्होंने गेंदबाजी में कमी को स्वीकार किया। साथ ही कहा कि इन हालातों में गेंदबाजी करना हमेशा कठिन होता है। आपको अपने कौशल को सामने लाना होगा और गलती की संभावना कम रखनी होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम गेंदबाजी में आने वाले समय में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगी।

राहुल का शतक गया बेकार, अनचाहा रिकॉर्ड भी बना



चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय टीम की ओर से केएल राहुल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में शतकीय पारी खेली भी

फिर भी भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में राहुल ने 129 रनों की शतकीय पारी खेली थी जो भारतीय टीम की हार के कारण बेकार चली गयी। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल केवल 1 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं विराट कोहली भी खाता खोले बिना ही पेवेेलियन लौट गये। इसके बाद रोहित शर्मा और रतुराज गायकवाड़ ने पारी को संभाला और शतकीय साझेदारी की। हालांकि, 160 के स्कोर तक ये दोनों बल्लेबाज भी आउट हो चुके थे। ऐसे मुश्किल समय में नंबर-5 पर बल्लेबाज करने आए राहुल ने 87 गेंदों पर 10 चौकों और 9 छक्कों की सहायता से

नाबाद 129 रनों की पारी खेलकर टीम इंडिया की 351 रनों के विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

राहुल के इस बेहतरीन प्रदर्शन के बाद भी भारतीय टीम जीत हासिल नहीं कर पाई। वेस्टइंडीज ने कप्तान शाई होप के शानदार नाबाद शतक 162 रनों की सहायता से मेहमान टीम ने ये लक्ष्य 48.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। वेस्टइंडीज के लिए यह एकदिवसीय क्रिकेट में सफलतापूर्वक लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत का सबसे बड़ा लक्ष्य था। इस मैच में भारतीय टीम की हार के साथ ही राहुल एक ऐसे अवांछित रिकॉर्ड में शामिल हो गए हैं, जिसमें भारत के कई दिग्गज खिलाड़ी पहले से मौजूद हैं। राहुल के एकदिवसीय करियर का यह नौवां शतक था, मगर दुखद बात यह है कि इनमें से 4 शतक टीम इंडिया की हार के बीच लगे हैं। वह अब भारत की हार में सबसे ज्यादा एकदिवसीय शतक लगाने वाले टॉप-5 खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं।

भारतीय फुटबॉल टीम ऐतिहासिक मुकाबले में ब्राजील से 0-4 से हारी



कोलकाता।। ऐतिहासिक साल्ट लेक स्टेडियम में शनिवार रात भारतीय फुटबॉल ने एक ऐतिहासिक मुकाबले में पांच बार की फीफा वर्ल्ड कप विजेता ब्राजील का सामना किया। यह दोनों टीमों के सीनियर पुरुष फुटबॉल इतिहास में पहली भिड़ंत थी। भारतीय टीम ने कई मौकों पर ब्राजील को कड़ी चुनौती दी, लेकिन आखिरकार ब्राजील ने 4-0 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

तीरंदाज चिकीथा से युवा प्रतिभाओं को मिलेगी प्रेरणा : नीता अंबानी



नगोया। जापान के नगोया में आयोजित एशियाई खेलों में भारतीय तीरंदाज चिकीथा तनिपार्थी के दो स्वर्ण पदक जीतने को रिलीयंस फाउंडेशन की अध्यक्ष नीता एम. अंबानी ने एक अहम उपलब्धि करार दिया है। कपाउंड तीरंदाजी में महिलाओं की टीम और मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण जीतने वाली चिकीथा ने अपने पहले ही एशियाई खेलों में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की है। चिकीथा की इस सफलता पर नीता एम. अंबानी ने उन्हें दुनिया भर की लड़कियों के लिए प्रेरणा करा दिया। बातचीत के दौरान नीता अंबानी ने चिकीथा की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने देश की बेटियों को गौरवान्वित किया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि चिकीथा की यह उपलब्धि अन्य युवा खिलाड़ियों को भी अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करेगी। नीता ने यह भी भरोसा दिलाया कि रिलीयंस फाउंडेशन उनके खेल लक्ष्य में आगे भी निरंतर सहयोग करता रहेगा। चिकीथा के माता-पिता को बधाई देते हुए, नीता अंबानी ने उनकी सफलता में परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका की भी सराहना की। जब चिकीथा ने बताया कि उनके पिता एक किसान हैं, तो नीता अंबानी ने भावुक होते हुए कहा कि किसान देश का दिल हैं और एक किसान की बेटी के रूप में चिकीथा ने पूरे देश का मान बढ़ाया है। चिकीथा की इस शानदार सफलता के पीछे उनके परिवार का लंबा संघर्ष और त्याग जुड़ा हुआ है। तेलंगाना के सुल्तानपुर गांव की रहने वाली चिकीथा ने बचपन में कराटे से अपनी खेल यात्रा शुरू की थी और इसमें ब्लैक बेल्ट भी हासिल किया था। हालांकि, एक दशहरे पर उनके चान्वा से मिले एक खिलाता धनुष में उनकी रुचि को तीरंदाजी की ओर मोड़ दिया। उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए, पिता श्रीनिवास राव ने उन्हें इस खेल की पेशेवर ट्रेनिंग दिलानी शुरू की। तीरंदाजी जैसे महंगे खेल के उपकरणों और प्रशिक्षण का खर्च उठाना परिवार के लिए आसान नहीं था। बेटी के सपनों को साकार करने के लिए उनके पिता ने बैंक से कर्ज लिया और यहां तक कि परिवार का राइस हॉवैटर तक बेच दिया। एक थोड़ाधड़ी में डेढ़ लाख रुपये गंवाने जैसी विकट परिस्थिति के बावजूद, उन्होंने हार नहीं मानी और बेहतर उपकरण खरीदने के लिए 3.5 लाख रुपये का एक और बड़ा कर्ज लिया। चिकीथा की यह दोहरी स्वर्ण पदक जीत उन्हें 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए भारत का पहला कोटा दिलाने में भी सफल रही है, जो भविष्य के लिए उनकी क्षमता का प्रमाण है।

वैभव सूर्यवंशी : टाइम मैगजीन की 100 नेक्स्ट सूची में सबसे युवा भारतीय सितारा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्हें अमेरिका की प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन की वार्षिक टाइम 100 नेक्स्ट सूची में शामिल किया गया है, जो वैश्विक स्तर पर भविष्य को आकार देने वाले 100 उभरते हुए सितारों को पहचानती है। महज 15 साल की उम्र में इस सूची में जगह बनाने वाले वैभव सबसे युवा व्यक्ति हैं और दुनियाभर से चुने हुए केवल सात एथलीटों में इकलौते भारतीय खिलाड़ी हैं। यह उनकी असाधारण प्रतिभा और अद्वितीय प्रदर्शन का प्रमाण है जिसने उन्हें इतनी कम उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। टाइम मैगजीन की सीईओ जेंसिका सिक्ले ने इस सूची के बारे में बताया कि इस साल के लिस्ट-निर्माता सीमाओं को पार कर रहे हैं, नई संभावनाओं को जन्म दे रहे हैं और अपने क्षेत्रों तथा समुदायों को आगे बढ़ा रहे हैं। फेनोम श्रेणी में शामिल करते हुए टाइम ने वैभव सूर्यवंशी को तेजी से वैश्विक खेल के सबसे रोमांचक और ऊर्जावान चेहरों में से एक बताया है।

द पैराडाइज़ के को-स्टार नानी के लिए राघव जुयाल ने लिखा दिल छू लेने वाला नोट

एक्टर राघव जुयाल ने अपने द पैराडाइज़ के को-स्टार नानी के लिए एक बेहद दिल छू लेने वाला नोट लिखा है। फिल्म के हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज होने के बीच राघव के इस इमोशनल नोट ने दोनों एक्टर्स के बीच स्क्रीन के बाहर की खास बॉन्डिंग की भी झलक दिखा दी है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए इस नोट में राघव ने नानी को उन चुनिंदा लोगों में से एक बताया, जो बिना कुछ कहे उनके लिए एक 'सेफ प्लेस' बन गए। उन्होंने बताया कि नानी ने उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल जर्नी में किस तरह अहम भूमिका निभाई है।

राघव ने बताया कि जब भी करियर और जिंदगी को लेकर वह किसी उलझन में रहे, नानी हमेशा उनके साथ खड़े रहे। दोनों अक्सर घंटों सिनेमा, करियर, जिंदगी और काम से आगे की तमाम चीजों पर बातें करते थे। राघव ने यह भी बताया कि नानी ने उन्हें

अपने करियर से जुड़े फैसलों को बेहतर तरीके से समझने और इंडस्ट्री में आगे बढ़ते हुए खुद को वैसा ही इंसान बनाए रखने में मदद की, जैसा वह रहना चाहते हैं।

अपने इस इमोशनल नोट में राघव ने लिखा, 'जिंदगी में कुछ ही ऐसे लोग होते हैं, जो बिना जाने ही आपके लिए आपकी सेफ प्लेस बन जाते हैं। मेरे लिए नानी दादा भी उन्हीं लोगों में से एक हैं। मैंने कई बार कोशिश की है कि शब्दों में बता सकूँ कि आप मेरे लिए क्या मायने रखते हैं, लेकिन सच कहूँ तो मुझे अब भी लगता है कि शब्द कभी काफी नहीं होंगे। मैं आपसे सच में बहुत प्यार करता हूँ और आपको बहुत एडमायर करता हूँ। सिर्फ एक एक्टर या आर्टिस्ट के तौर पर नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी। इस इंडस्ट्री में, जहां कई बार चीजें काफी अनिश्चित और शोर से भरी लगती हैं, ऐसे कई पल आए हैं जब मैं खुद को पूरी तरह खोया हुआ महसूस करता था। और पता नहीं कैसे, जब भी मैं ऐसे किसी क्रॉसरोड पर खड़ा हुआ, आप हमेशा मेरे साथ रहे, नानी दादा। दादा,

आपने मुझे बैठाकर घंटों बात की है।

सिनेमा के बारे में, मेरे करियर के बारे में, जिंदगी के बारे में और कभी-कभी बिना किसी खास वजह के भी। आपने मेरी बातें सुनीं और मुझे समझा। आपने मुझे कभी इस बात के लिए छोटा महसूस नहीं कराया कि मैं कन्स्यूज हूँ या इमोशनल हूँ। और हर बार आपसे बात करने के बाद मेरे दिल का बोझ थोड़ा हल्का जरूर महसूस हुआ। जिस तरह आपने हमेशा मेरे लिए जगह बनाई, मेरी बातें सुनीं और बस मेरे साथ रहे, उसके लिए शुक्रिया। कुछ लोग आपको एडवाइस देते हैं, लेकिन बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो आपको महसूस कराते हैं कि आपको सच में समझा गया है और साथ ही आपको एक नया पर्सपेक्टिव भी देते हैं। नानी दादा, आपने मुझे दोनों चीजें दीं। आपने मुझे समझने में मदद की कि मैं किस तरह की फिल्मों का हिस्सा बनना चाहता हूँ, कौन से चॉइसेस लेना जरूरी है और उससे भी ज्यादा जरूरी, उन फैसलों के बीच मुझे किस तरह का इंसान बने रहना है।



उर्वशी रौतेला ने एआई कंपनी से मांगा सात हजार करोड़ का हर्जाना, मिला जवाब

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने अमेरिका की एक एआई कंपनी बॉलीवुड एआई पर कानूनी कार्रवाई की बात कही है। एक्ट्रेस का आरोप है कि कंपनी ने बिना उनकी अनुमति के उनकी तस्वीरें और वीडियो का इस्तेमाल किया है। इस मामले पर कंपनी की तरफ से भी जवाब दिया गया।

क्या कहा उर्वशी की टीम ने

उर्वशी रौतेला ने लॉस एंजेलिस बेस्ड एआई कंपनी के खिलाफ एक्शन लेने की बात कही है। एक्ट्रेस ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दावा किया है कि बिना उनकी अनुमति लिए कंपनी ने उनकी फोटोज और वीडियो का उपयोग किया है। उर्वशी की टीम ने एक पोस्ट शेयर कर लिखा, 'हम लॉस एंजिल्स स्थित इस कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं। इससे हुए नुकसान की कीमत फिलहाल 7,000 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। उन्होंने उर्वशी की फोटोज और वीडियो का उपयोग करके कई अरबों डॉलर का कारोबार खड़ा किया है। आप अपना

ब्रांड बनाएं, कंपनी बनाएं मगर उर्वशी का नाम उससे दूर रखें तब तक आपने उनसे अनुमति न ली हो।'

एआई कंपनी के सीईओ ने क्या दिया जवाब

मामले पर बॉलीवुड एआई और हॉलीवुड एआई कंपनी के संस्थापक और सीईओ शीराज हसन ने भी जवाब दिया। शीराज ने भी एक पोस्ट जारी कर सफाई देते हुए लिखा, 'उर्वशी, हमने तुम्हारे मुंह में ये शब्द नहीं डाले। मैं तुम्हें सलाह देता हूँ कि जवाब देने से पहले एआई और बॉलीवुड के मनोरंजन जगत के भविष्य के बारे में अच्छी तरह से जानकारी हासिल कर लो।' शीराज ने आगे लिखा, 'बॉलीवुड एआई और हॉलीवुड एआई मनोरंजन का भविष्य हैं। एआई फिल्में, वर्टिकल ड्रामा और ऐसे डिजिटल सितारे, जो कभी बूढ़े नहीं होते, कई भाषाएं बोलते हैं, 24 घंटे काम करते हैं और जिनका कोई अहंकार नहीं होता। आप अपने जवाब से लड़ सकती हैं, लेकिन आने वाले बदलाव से नहीं लड़ सकती। इसे अपनाइए। बॉलीवुड में मनोरंजन उद्योग का विकास हो रहा है।'

एआई पर क्या बोली उर्वशी रौतेला

कुछ दिन पहले एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला से बॉलीवुड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बारे में सवाल पूछे गए थे। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा था कि एआई बॉलीवुड को प्रभावित कर रहा है, साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें हिंदी फिल्म उद्योग से प्यार है।

हिंदी फिल्मों में बनाना सबसे जटिल

अभिनेता अजय देवगन का फिल्मी सफर तीन दशक लंबा रहा है। हाल ही में फिक्की (एफआईसीसीआई) के समारोह में शामिल होने के दौरान उन्होंने हिंदी फिल्मों बनाने को सबसे जटिल बताया।

अजय देवगन हाल ही में फिक्की द्वारा आयोजित दो दिवसीय समारोह में शामिल हुए। जहां उन्होंने हिंदी सिनेमा और 1990 के दशक के एकल-स्क्रीन युग से लेकर मल्टीप्लेक्स के बढ़ते प्रभाव और अब सिनेमाघरों, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, शहरों, कस्बों और सोशल मीडिया में बदलाव पर बात की। उन्होंने लिखा, 'मैं किसी अन्य सिनेमा से श्रेय नहीं छीन रहा हूँ। चाहे आप इसे पारंपरिक सिनेमा कहे या अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा मेरा मतलब है कि वहां फिल्में बनाना उतना ही मुश्किल है। लेकिन मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि हिंदी फिल्म बनाना सबसे मुश्किल है, क्योंकि आपको पता नहीं होता कि आपके दर्शक कौन हैं।' आगे अपनी बाच को स्पष्ट करते हुए अजय ने कहा, 'जब आप कोई पंजाबी फिल्म, तेलुगु फिल्म या तमिल फिल्म बनाते हैं, तो आप दर्शकों को समझते हैं। क्योंकि यह एक विशेष क्षेत्र के लिए होती है। और आप उनकी पसंद को जानते हैं। इसलिए आप उसी दर्शक वर्ग को ध्यान में रखते हैं। हिंदी फिल्म के लिए अच्छा प्रदर्शन करना, मुझे लगता है कि हर 80-90 किलोमीटर पर भाषा बदल जाती है। सोचने का तरीका बदल जाता है। फिर आप जनसमूह, वर्ग, शहरों, शहरी क्षेत्रों की बात करते हैं। आप कस्बे की बात करते हैं। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी 'दृश्यम 3 : द कन्क्लूजन' में अजय देवगन फ्रेंचाइजी के मुख्य किरदार विजय सलगावकर के रूप में वापसी कर रहे हैं।



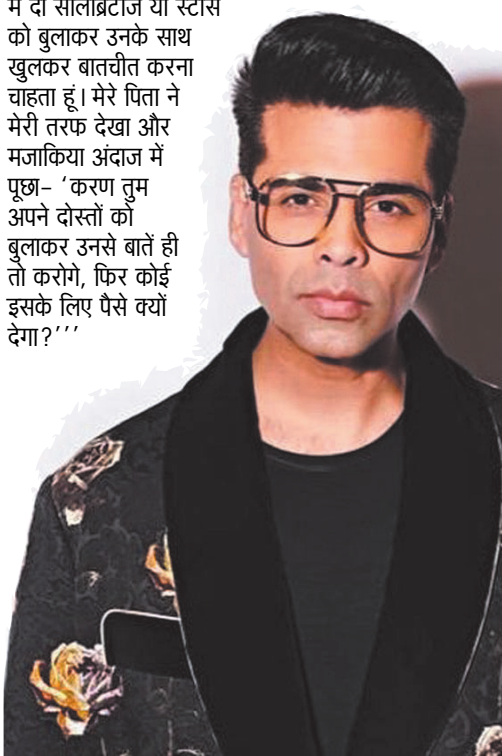
चुंबक में महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स नहीं हैं

मुंबई सदीपा धर ने हाल ही में बताया कि उन्हें 'चुंबक' का हिस्सा बनने के लिए क्या चीज आकर्षित कर रही थी। एक्ट्रेस के मुताबिक, शो में महिलाओं को जिस तरह से पेश किया गया है, वह इसकी खासियतों में से एक है। उनके लिए यह सीरीज कॉमेडी के उस आम फॉर्मेट से अलग है, जहां अक्सर पुरुष किरदारों को ज्यादातर कॉमिक मोमेंट्स मिलते हैं, जबकि महिलाओं को सिर्फ सपोर्टिंग रोल्स तक सीमित रखा जाता है। शो को चुनने के अपने फैसले के बारे में बात करते हुए सदीपा ने कहा, 'मैं इस शो को लेकर इसलिए उत्साहित थी क्योंकि इसमें महिलाओं को स्ट्रीट्रियो टाइपिकल तरीके से नहीं दिखाया गया है। आमतौर पर कॉमेडी में पुरुषों के पास सारे कॉमिक पार्ट्स होते हैं, जबकि महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स होती हैं। लेकिन यहां ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने हेली शाह द्वारा निभाए गए टिक्कल के किरदार का उदाहरण देते हुए शो के महिला किरदारों को लेकर किए गए इस अलग नजरिए की तारीफ की। सदीपा ने कहा, यहां हमारे पास टिक्कल (हेली शाह) है, जिनकी कॉमेडी शो में सबसे अब्बल है। इसके अलावा एक्ट्रेस ने पारंपरिक जेंडर रोल्स से हटकर किरदारों को पेश करने के लिए किए गए प्रयास की भी सराहना की है। उन्होंने कहा, हम महिलाओं को सिर्फ बैठकर खाना बनाते या पुरुषों को खाना परोसते हुए नहीं दिखा रहे हैं। दरअसल, आतिश ने यह बहुत सोच-समझकर किया है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि हम पारंपरिक जेंडर रोल्स को फॉलो न करें। सदीपा के लिए स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही इसकी राइटिंग सबसे अलग और खास लगी थी। उन्होंने आगे कहा, जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ रही थी, तभी मुझे लगा कि किसी को महिलाओं के किरदारों को इस तरह लिखते देखना वाकई काफी रिफ्रेशिंग है। महिला किरदारों को सिर्फ पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित रखने के बजाय उन्हें कहानी में सक्रिय और कॉमिक स्पेस देने के साथ, चुंबक ने सदीपा को कॉमेडी का एक अलग नजरिया दिया, जो उन्हें पहली रीडिंग से ही काफी रिफ्रेशिंग लगा।



करण जौहर ने 'कॉफी विद करण' के फाइनल सीजन का किया ऐलान

फिल्ममेकर और टीवी होस्ट करण जौहर का पॉपुलर सेलिब्रिटी चैट शो 'कॉफी विद करण' अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है। करण जौहर ने शो के फाइनल सीजन का ऐलान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह शो के सफर को याद करते हुए काफी इमोशनल नजर आए। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'मुझे लगता है कि हमें बात करनी चाहिए, कॉफी पर...' 'हॉटस्टार स्पेशल्स: कॉफी विद करण सीजन 9' का प्रीमियर 14 अक्टूबर से जियोस्टार पर होगा। वीडियो में करण ने शो शुरू होने के पीछे की कहानी शेयर की। उन्होंने कहा, 'यह जुन 2004 की बात है, जब मैंने अपने पिता यश जौहर से कहा था कि मैं एक टॉक शो होस्ट करना चाहता हूँ। मैं दो सेलिब्रिटी या स्टार्स को बुलाकर उनके साथ खुलकर बातचीत करना चाहता हूँ। मेरे पिता ने मेरी तरफ देखा और मजाकिया अंदाज में पूछा- 'करण तुम अपने दोस्तों को बुलाकर उनसे बातें ही तो करोगे, फिर कोई इसके लिए पैसे क्यों देगा?''



'रिपोर्टिंग लाइव' में फील्ड रिपोर्टर बनेंगी परिणीति चोपड़ा

डुबॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों लगातार अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स के साथ दर्शकों के बीच अपनी जगह बना रही हैं। हाल ही में उन्होंने स्ट्रीमिंग सीरीज 'शक : ट्रस्ट नो वन' से ओटीटी पर कदम रखा और अब एक ऐसी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसकी कहानी पत्रकारिता, अपराध और अवैध रेत खनन की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिल्म का नाम 'रिपोर्टिंग लाइव' है, जिसमें परिणीति एक फील्ड रिपोर्टर के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ शेखर सुमन, अमोल पालेकर, देवेन भोजानी और आदिल हुसैन जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। 'रिपोर्टिंग लाइव' की कहानी एक ऐसी रिपोर्टर की है, जो एक बड़ी स्टोरी की तलाश में अवैध रेत खनन के उस नेटवर्क तक पहुंचती है, जिसे एक खतरनाक रेत माफिया हर हाल में छिपाकर रखना चाहता है। जैसे-जैसे रिपोर्टर इस पूरे मामले की तह तक जाने की कोशिश करती है, उसके सामने अपराध की एक ऐसी दुनिया खुलती जाती है, जहां सच को सामने लाना आसान नहीं है। फिल्म में इसी जांच, खतरे और सच की तलाश को थ्रिलर अंदाज में दिखाया गया है।

परिणीति फिल्म में एक फील्ड रिपोर्टर की भूमिका निभा रही हैं। यह किरदार उनके लिए इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि कहानी में रिपोर्टर सिर्फ खबर कवर करने वाली एक पत्रकार नहीं है, बल्कि वह लगातार एक ऐसे सिस्टम के खिलाफ आगे बढ़ती है, जो अपने

अपराधों को छिपाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। फिल्म की कहानी में आम लोगों को भी अहम जगह दी गई है। फिल्म का निर्देशन ध्रुव त्रिपाठी ने किया है और उन्होंने मिहिर जाधव के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है। ध्रुव ने फिल्म को लेकर कहा, 'मेरे लिए 'रिपोर्टिंग लाइव' की घोषणा बेहद खास है। मैं पिछले सात साल से इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ा हुआ हूँ। मिहिर जाधव के साथ कहानी लिखने से लेकर इसे स्क्रीन तक लाने तक का सफर मेरे लिए लंबा रहा है और अब फिल्म को दुनिया के सामने लाने का मौका भी खास अनुभव है।' ध्रुव ने कहा, 'मैं ऐसी थ्रिलर बनाना चाहता था, जो जमीन से जुड़ी और असली लगे, लेकिन कहानी के केंद्र में मौजूद आम लोगों की जिंदगी और उनकी परेशानियों को भी नजरअंदाज न करे। फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू ने इस प्रोजेक्ट को बेहतर बनाने में अपना अहम योगदान दिया है। अब मैं चाहता हूँ कि दुनिया भर के दर्शक इस कहानी को देखें और फिल्म से जुड़ें। फिल्म की प्रोड्यूसर पार्थ किरण ठाकुर ने भी 'रिपोर्टिंग लाइव' को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, 'फिल्म की कहानी और इसे बड़े स्तर पर पढ़े पर उतारने, दोनों में काफी कुछ दांव पर लगा हुआ था। टीम के पास शुरुआत से ही फिल्म को लेकर एक साफ विजन था और इसे इतने मजबूत कलाकारों के साथ पूरा होते देखना मेरे लिए बेहद संतोषजनक है।

